हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 140, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 12 नवम्बर, 2022 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

वाराणसी में पीएम के जीवन पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का सीएम ने किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री योगी ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन, बाबा दरबार में लगाई हाजिरी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार की सुबह वाराणसी पहुंचे। वह यहां विविध आयोजनों में इस दौरान सम्मिलित होंगे। वाराणसी आने के बाद सुबह उन्होंने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित आठ दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद वह जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए गंगा में जेटी का शिलान्यास करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नेशनल वाटरवे-1 (गंगा नदी) पर आठ सामुदायिक घाटों के लिए सात सामुदायिक घाटों पर जेटी का उद्घाटन और आधारशिलाओं का अनावरण किया। इसके बाद वह सतुआ बाबा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे, इसके पूर्व वह बाबा दरबार में भी दर्शन पूजन करने पहुंचे। वहां से वह दीनदयाल हस्तकला संकुल में आयोजित गति शक्ति समिट में भी शामिल हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित काशी के सांसद व प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर

उदघाट्न किया। उद्घाटन करने के पश्चात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके बाद प्रदर्शनी जनसामान्य के अवलोकनार्थ खोल दिया गया। जो प्रतिदिन जनसामान्य के अवलोकनार्थ खुला रहेगा। काशी के सांसद व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित इस चित्र प्रदर्शनी में 55 चित्रों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को उकेरा गया है। आयल और एक्रिलिक रंगों से बनी इन पेंटिंग में गुजरात के एक छोटे से शहर में चाय बेचने वाले एक युवा लड़के से लेकर दुनियां के सबसे बडे लोकतंत्र के प्रधानमंत्री बनने की साहसी यात्रा का एक दस्तावेज है। इन पेंटिंग में 12 पेंटिंग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीवन से सम्बन्धित, 32 पेंटिंग "मन की बात एवं 11 स्केच मन की बात पुस्तक से शामिल की गयी है। संकल्प से सिद्धि, काले धन को ना करो, नशीली दवाओं से सावधान रहे, हमारे किसानों को बचाओ, पानी एक आशीर्वाद है, खादी, लक्ष्य, मेरा भारत, स्वच्छ भारत, जीवन का आदर करो, मुद्रा योजना, राष्ट्रीय एकता, और मदद करने वाले हाथ जैसी उत्कृष्ट रचनाए है। जो खूबसूरत ही नहीं बल्कि एक संदेश प्रतीत होती है। प्रदर्शनी के उदघाट्न अवसर पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री सबानंद सोनोवाल, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु', प्रदेश सह प्रभारी सुनील ओझा, काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉक्टर नीलकंठ तिवारी, विधायक गण डॉ. नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश सिंह, सुनील पटेल, महानगर अध्यक्ष विद्या सागर राय, जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, महापौर मृदुला जायसवाल, अशोक चौरसिया, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह-मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर, नवीन कपूर, जगदीश त्रिपाठी, अशोक पटेल, संजय सोनकर, सुरेश सिंह, रौनी वर्मा, साधना वेदांती, गीता शास्त्री, आलोक श्रीवास्तव, इं अशोक यादव, अशोक कुमार एडवोकेट आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वाराणसी, अयोध्या, मथुरा- वृंदावन और गुवाहाटी में चलेंगे इलेक्ट्रिक जलयान, हाइड्रोजन से भी संचालन : सर्बानंद

वाराणसी। जल परिवहन मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा कि देश की आध्यात्मिक नगरी काशी को सबसे उन्नत हाइड्रोजन फ्यूल सैल कैटमारन जलयान मिलने जा रहे हैं। वाराणसी को एक हाइड्रोजन फ्यूल सैल जलयान और चार इलेक्ट्रिक हाइब्रिड जलयान मिलेंगे। इसके लिए भारतीय अंतरदेशीय जल मार्ग प्राधिकरण और कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड के बीच एमओयू साइन किया गया है। करार के मुताबिक शून्य उत्सर्जन 100 पैक्स हाइड्रोजन फ्यूल सेल पैसेंजर कैटामारन जलयान का डिजाइन और विकास कोचिन शिपयार्ड केपीआइटी पुणे के सहयोग से करेगी। परीक्षणोपरांत कैटामारन जलयान वाराणसी में गंगा में उतरेगा। इस प्रोजेक्ट की कामयाबी को परखने के बाद इस टेक्नोलाजी से कार्गो वैसल, स्माल कंट्री क्राफ्ट आदि बनाए, अपनाए जाएंगे। इससे राष्ट्रीय जलमार्गों में प्रदूषण का स्तर घटाने में बहुत मदद मिलेगी। समझौते के तहत कोचिन शिपयार्ड आठ हाइब्रिड इलेक्ट्रिक कैटामारन जलयान बनाएगा।

अब भारत रुक-रुककर नहीं चलेगा दुनिया में हमारी अलग पहचान : मोदी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे के बाद आज कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु पहुंचे जहां उन्होंने केएसआर रेलवे स्टेशन पर पांचवीं वंदे भारत एक्सप्रेस व भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम मोदी ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि भारत अब रुक-रुककर नहीं चलने वाला है। भारत अब तेज दौड़ना चाहता है। दुनिया में हिंदुस्तान की एक अलग पहचान बनी है। आने वाले 8-10 सालों में हम भारतीय रेल के कायाकल्प को बदलने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन केवल एक ट्रेन नहीं है बल्कि ये नए भारत की नई पहचान है। 21वीं सदी में भारत की ट्रेन कैसी हो, ये उसकी एक झलक है। वंदे भारत एक्सप्रेस इस बात का प्रतीक है कि भारत अब रूक-रूक चलने वाले दिनों को पीछे छोड़ चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में, भारत में निवेश के लिए जो अभूतपुर्व विश्वास बना है उसका बहुत बड़ा लाभ कर्नाटक को भी मिल रहा है। पिछले तीन साल जब पूरी दुनिया कोरोना से प्रभावित रही तब कर्नाटक में लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान स्टार्ट अप्स के लिए है और भारत की इस पहचान को सशक्त करने में बड़ी भूमिका बेंगलुरु की है। स्टार्ट अप्स सिर्फ एक कंपनी भर नहीं होता है। स्टार्ट अप्स एक विश्वास होता है, हर उस चुनौती के समाधान का जो देश के सामने है।

'कसौटी जिंदगी की' एक्टर का जिम में वर्क आउट करते वक्त निधन, सदमे में टीवी जगत

नई दिल्ली। वैशाली ठक्कर, राजू श्रीवास्तव और दीपेश भान के निधन के बाद टीवी इंडस्ट्री से अब एक और बुरी खबर सामने आई है। एक्टर और मॉडल सिद्धांत वीर सूर्यवंशी का निधन हो गया है। सिद्धांत 'कसौटी जिंदगी की' जैसे पॉपुलर टीवी सीरियल में काम करने के लिए जाने जाते हैं। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को जिम में वर्कआउट करते वक्त दिल का दौरा पड़ने की वजह से सिद्धांत की डेथ हुई है। सिद्धांत वीर सूर्यवंशी लंबे समय से टीवी जगत से जुड़े हुए है, अब तक उन्होंने कई टीवी सीरियल में काम किया है। महज 46 साल की उम्र में उनके निधन की खबर ने पूरी इंडस्ट्री को सदमे ला दिया है। खबर के मुताबिक, जिम में हार्ट अटैक आने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लगभग 45 मिनट तक डॉक्टर्स ने भी उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन अंत में एक्टर को बचाया न जा सका।

पीएचडी के लिए अब लड़कियों-महिलाओं को नहीं पड़ेगा भागना, यूजीसी ने नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली। यूजीसी ने पीएचडी करने वाली लड़कियों-महिलाओं को बड़ी राहत दी है। उन्हें अब दूसरी जगह जाकर पीएचडी पूरी करने की छूट मिलेगी। इसके लिए बार-बार उन्हें

अपने शहर पीएचडी पूरी करने के लिए नहीं आना पड़ेगा। अब उनका सारा काम दूसरी जगह ट्रांसफर हो सकेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पीएचडी के नए नियमों में बदलाव कर इस नए नियम को शामिल किया है। इससे पहले 2016 में पीएचडी करने के नए नियम व संशोधन जारी किए गए थे, लेकिन अब नई शिक्षा नीति के मुताबिक संशोधन करते हुए यूजीसी ने अधिसूचना जारी कर दी है। यूजीसी के नए नियमों के मुताबिक शादी के चलते या अन्य कारणों से महिला शोधार्थी दूसरी जगह जाती हैं और वहां के किसी संस्थान में पीएचडी जारी रखना चाहती हैं तो उन्हें अनुमति दी जाएगी। शोध को दूसरी जगह से करने के लिए सभी नियम और शर्तों का ध्यान रखा जाएगा। यह भी ध्यान रखा जाएगा कि शोध मूल संस्थान या पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्त पोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो। इस नियम के तहत शोधार्थी का अब तक का किया पूरा काम ट्रांसफर हो जाएगा।

शोधार्थी को उसके हिस्से का क्रेडिट अपने मूल संस्थान या सुपरवाइजर को देना पड़ेगा। अभी तक महिला शोधार्थियों को दो वर्ष का अतिरिक्त समय शोध पूरा करने के लिए दिया जाता था। वहीं इस दौरान मातृत्व अवकाश व बच्चों की देखभाल अवकाश के रूप में अधिकतम 240 दिनों की छुट्टी की सुविधा भी थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नई दिल्ली ने शोध के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। सात नवंबर को जारी गजट के अनुसार अब कहीं भी सेवारत कर्मचारी या शिक्षक पार्टटाइम पीएचडी कर सकेंगे। पहले सरकारी सेवारत कर्मचारियों या शिक्षकों को शोध करने के लिए अपने विभाग से अध्ययन अवकाश लेना पड़ता था।

पूर्व पीएम राजीव गांधी की हत्या के मामले में नलिनी समेत छह आरोपी होंगे रिहा, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली। राजीव गांधी की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रही नलिनी और आरपी रविचंद्रन सहित छह आरोपियों को रिहा करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी रिहाई का आदेश देते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार ने पहले राज्यपाल को उनकी रिहाई की सिफारिश की थी। मई में एक और दोषी पेरारीवलन को सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही रिहा करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस आदेश में एस. नलिनी, जयकुमार, आरपी रविचंद्रन, रॉबर्ट पियास, सुथेंद्रराजा और श्रीहरन को रिहा कर दिया है। जेल में उनका आचरण अच्छा पाया गया और उन सभी ने जेल में रहने के दौरान विभिन्न डिग्रियां भी हासिल की थीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु कैबिनेट ने 9 सितंबर, 2018 को उनकी रिहाई की सिफारिश की थी और यह राय राज्यपाल के लिए बाध्यकारी होगी, जिनके समक्ष दोषियों ने माफी याचिका दायर की थी। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्ति का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई 2022 को पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया था, जिन्होंने 30 साल से अधिक जेल

की सजा काट ली थी। बता दें कि राजीव गांधी की 21 मई, 1991 की रात को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी, जिसकी पहचान धनु के रूप में एक चुनावी रैली में हुई थी। इस मामले में कुल 41 लोगों को आरोपी बनाया गया था। 12 लोगों की मौत हो चुकी थी और तीन फरार हो गए थे। बाकी 26 पकड़े गए थे। इसमें श्रीलंकाई और भारतीय नागरिक थे।

एससी ने 'शिवलिंग' को संरक्षित रखने का आदेश बरकरार रखा, हिंदू पक्ष को दिया तीन हफ्ते का वक्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर वाराणसी में खोजे गए 'शिवलिंग' की संरक्षण के मामले में अपने पहले के आदेश को आगे बढ़ा दिया है। अदालत ने कहा कि अगले आदेश तक इसका संरक्षण बढ़ाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू पक्ष को जवाब देने के लिए तीन हफ्ते का वक्त दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू पक्षों को ज्ञानवापी विवाद पर केस को मजबूत करने के लिए वाराणसी के जिला न्यायाधीश के समक्ष आवेदन करने की अनुमति दी। इससे पहले सुनवाई में शीर्ष अदालत ने 'शिवलिंग' के संरक्षण का आदेश दिया था। आज उसी आदेश को अगले फैसले तक बरकरार रखा गया है। ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग को संरक्षित करने की समयसीमा 12 नवंबर से बढ़ाने की याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला दिया। हिंदू पक्ष की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन ने गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख करते हुए याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने शिवलिंग की सुरक्षा के मामले पर आज दोपहर तीन बजे सुनवाई तय की थी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले आदेश में वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि मस्जिद के अंदर जिस स्थान पर 'शिवलिंग' मिला है, उसे संरक्षित रखा जाए। इसके साथ ही शीर्ष कोर्ट ने यह भी आदेश दिया था कि इससे मुसलमानों के नमाज अदा करने का अधिकार प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी के जिला न्यायाधीश को निर्देश दिया था कि वह मामले को खारिज करने की मांग करने वाली ज्ञानवापी मस्जिद की अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति के आवेदन पर फैसला करें। समिति ने कहा था कि पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के तहत ज्ञानवापी केस दायर नहीं किया जा सकता।

जजों की नियुक्ति में देरी से सुप्रीम कोर्ट नाराज प्रस्तावित नामों पर केंद्र ने नहीं दी है मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र के प्रति नाराजगी जाहिर की। दरअसल कालेजियम की ओर से जज के तौर पर नियुक्ति के लिए नाम भेजे गए थे, जिसपर सरकार की तरफ से निर्णय नहीं लिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय विधि सचिव को नोटिस जारी किया है और जवाब की मांग की है। कोर्ट ने कहा कि सरकार इस तरह नामों को रोक नहीं सकती। इसके कारण कई अच्छे नामों को वापस लिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र द्वारा नामों को लंबित रखे जाने पर नाराजगी जाहिर की है। सरकार न तो नामों की नियुक्ति करती है और न ही अपनी आपत्ति के बारे में बताती है। केंद्र के पास 10 नाम लंबित हैं। इन्हें सुप्रीम कोर्ट कालेजियम की ओर से दोबारा प्रस्तावित किया गया है। बता दें कि आज सुप्रीम कोर्ट में कालेजियम द्वारा प्रस्तावित जजों के नाम को मंजूरी देने में केंद्र की ओर से हो रही देरी मामले में सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने कहा कि जस्टिस दीपांकर दत्ता के नाम का प्रस्ताव पांच सप्ताह पहले रखा गया था। इसे मंजूरी मिल जानी चाहिए थी। केंद्र सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दूसरी बार नामों का प्रस्ताव पेश करने के बाद

नियुक्ति जारी की जानी चाहिए थी। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में यह भी कहा है कि नामों को होल्ड पर रखना स्वीकार्य नहीं है। यह एक तरह का उपकरण बनता जा रहा है, जो इन व्यक्तियों को अपना नाम वापस लेने के लिए मजबूर करता है जो पहले हुआ है। कालेजियम द्वारा प्रस्तावित नामों में जयतोष नाम के व्यक्ति का हाल ही में निधन हो गया है।

चीन-भारत के संबंध तब तक सामान्य नहीं होंगे जब तक सीमा पर शांति कायम नहीं होती : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध तब तक सामान्य नहीं हो सकते जब तक कि सीमावर्ती इलाकों में शांति कायम नहीं होती। उन्होंने कहा इस मामले में भारत की ओर से उस देश को दिया गया संकेत स्पष्ट है। जयशंकर ने कहा मैं कह रहा हूं कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति का माहौल नहीं होगा, जब तक समझौतों का पालन नहीं किया जाता है और यथास्थिति को बदलने के एकतरफा प्रयास पर रोक नहीं लगती है, तब तक संबंध सामान्य नहीं हो सकते हैं।

गलवान घाटी की झड़पों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2020 में जो हुआ वह 'एक पक्ष का प्रयास था, और हम जानते हैं कि वह कौन था, जो समझौते से अलग हटा था और यह मुद्दा सबसे अहम है। जयशंकर ने कहा क्या हमने तब से प्रगति की है कुछ मायनों में, हां। टकराव वाले कई बिंदु थे। उन टकराव वाले बिंदुओं में, सेना द्वारा खतरनाक रूप से करीबी तैनाती थी, मुझे लगता है कि उनमें से कुछ मुद्दों को समान और आपसी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हल किया गया है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे भी हैं जिन पर अभी काम किये जाने की जरूरत है। यह

महत्वपूर्ण है कि हम दृढ़ रहें और आगे बढ़ते रहें। क्योंकि आप यह नहीं कहते हैं कि यह जटिल या कठिन है। विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि चीन को यह अहसास होगा कि वर्तमान स्थिति उसके हित में भी नहीं है। उन्होंने कहा, 'इस मामले में भारत की ओर से चीन को दिया गया संकेत स्पष्ट है। वे इसे अपने हितों से तौलेंगे, लेकिन यह सिर्फ जनता की भावना की बात नहीं है, और जनता की भावना मजबूत है। मुझे लगता है कि यह सरकार की नीति है, यह राष्ट्रीय सोच, जन भावना और रणनीतिक आकलन है। जून 2020 में गलवान घाटी में भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो गया था। पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग क्षेत्रों में गतिरोध को हल करने पर अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है, हालांकि दोनों पक्षों ने सैन्य और राजनयिक वार्ता के जरि टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों को पीछे हटाया है। भारत लगातार इस बात को कहता रहा है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध शुरू हो गया था।

सपा-बसपा बेअसर, निकाय चुनाव में बीजेपी को चुनौती देगी कांग्रेस : खाबरी

प्रयागराज। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष बृजलाल खाबरी आज प्रयागराज में हैं। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस पार्टी ही असल चुनौती पेश कर रही है। दावा किया कि सपा, बसपा जैसे दल बेअसर साबित होंगे। उन्होंने निकाय चुनाव को लेकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं में जोश भरा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने योगी सरकार पर साधा निशाना : कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का प्रयागराज आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहद खराब है लेकिन सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है।

सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पर बोले खाबरी : उन्होंने कहा कि जिले के सरकारी अस्पताल में मरीजों के लिए कोई सुविधा नहीं है। जिस तरह से जनपद में डेंगू फैल रहा है, उस तरह से इलाज के लिए मरीजों के लिए उचित व्यवस्था नहीं है। मरीजों को मौसमी का जूस चढ़ाया जा रहा है और कहा जा रहा है कि तीन दिन में प्लेटलेट्स बढ़ जाएगी।

इनकी रही उपस्थिति : इस दौरान आयोजित सभा की अध्यक्षता कांग्रेस के प्रयागराज जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी और सुरेश यादव ने किया। संचालन जिला प्रवक्ता हसीब अहमद ने किया। उन्होंने भी पार्टी कार्यकताओं को एकजुट रहने की अपील की। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष मकसूद खान, सुधाकर तिवारी, अरुण तिवारी, सुरेश यादव, मुकुंद तिवारी, संजय तिवारी, हसीब अहमद, मंजू संत, रजनीश विश्रामदास, ओमप्रकाश तिवारी, मनोज पासी, रामछबीले मिश्रा, विवेक पाण्डेय, राकेश पटेल, देवेंद्र कुमार, बृजेश सिंह, राजीव द्विवेदी, नारायण दुबे, रईस अहमद, गुड्डू द्विवेदी, शुभम शुक्ला, रवि पाण्डेय, दिनेश सोनी, नागेश पांडेय, जितेश मिश्रा, एहतेशाम अहमद मौजूद रहे।

संपादकीय

जांच पर सवाल

विपक्षी नेताओं को सबक सिखाने के मकसद से इन एजंसियों का इस्तेमाल कर रही है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने उस आरोप पर जैसे मुहर लगा दी है। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत की जमानत मंजूर करते हुए अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाई और कहा कि यह गिरफ्तारी अवैध है। हालांकि प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत के इस फैसले पर पुनर्विचार की गुहार लगाई, पर उसे खारिज कर दिया गया। अदालत ने यह भी कहा कि मामले के मुख्य आरोपियों को आज तक गिरफ्तार नहीं किया गया और राउत के खिलाफ पुख्ता सबूत न होने के बावजूद आनन-फानन गिरफ्तार कर लिया गया। इससे सरकार पर विपक्ष को हमला बोलने का एक और मौका मिल गया है। फिर, यह अकेला मामला नहीं है, जिसमें किसी विपक्षी नेता को प्रवर्तन निदेशालय या आयकर विभाग जैसी दूसरी एर्जसियों द्वारा गिरफ्तार किया गया। राउत को तीन महीने से ऊपर जेल में बिताना पड़ा। इससे यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि एक राज्यसभा सांसद को प्रवर्तन निदेशालय जब इस तरह अवैध ढंग से गिरफ्तार कर सकता है, तो दूसरे लोगों के बारे में उसके रवैए का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी जांच एजंसियां यों तो स्वतंत्र रूप से काम करती बताई जाती हैं, मगर पिछले कुछ सालों से जिस तरह लक्ष्य करके विपक्षी दलों के नेताओं पर ही शिकंजा कसने का प्रयास करती देखी जा रही हैं, उसे लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। कई मामलों में आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। हालांकि कई ऐसे गंभीर मामले हैं, जिनमें सत्तापक्ष के नेता आरोपी हैं, मगर उनके खिलाफ आज तक जांच की जरूरत नहीं समझी गई। कई नेता जो पहले दूसरे दलों में थे और उन पर किसी बड़े घोटाले या भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप हैं, पर वे सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए, तो उन पर भी चुप्पी साध ली गई। अगर जांच एजंसियां सचमुच स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर काम करतीं, तो इस तरह पक्षपातपूर्ण रवैया अख्तियार नहीं करतीं। हालांकि यह कोई नई बात नहीं है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल जांच एजंसियों का अपने मकसद के लिए इस्तेमाल कर रहा है। पहले की सरकारों पर भी यह आरोप लगता रहा है। मगर इस आधार पर जांच एजंसियों को अपने कर्तव्य से मुंह फेर लेने का आधार नहीं मिल जाता। अच्छी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने ताजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाते हुए उसका कर्तव्य याद दिलाया। हालांकि निदेशालय इसे कब तक याद रख पाएगा, दावा नहीं किया जा सकता। पर कम से कम उससे यह उम्मीद तो की जा सकती है कि किसी भी मामले में जांच करते हुए पुख्ता सबूतों के बिना किसी की गिरफ्तारी न करे। इस तरह किसी को महज इस मकसद से गिरफ्तार कर लेना कि उसका मनोबल तोड़ा और सत्तापक्ष की तरफ झुकाया तथा दूसरों का भयादोहन किया जा सकता है, जांच एजंसियों के लिए नैतिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता। सरकार तो शायद ही इस मामले से कोई सबक ले, पर जांच एजंसियों को जरूर अपनी मयार्दा का ध्यान रखने की जरूरत है। बिना किसी आधार के किसी को गिरफ्तार करने से जो उसका समय बर्बाद होता, उसके मन पर प्रतिकूल असर पड़ता और समाज में छवि खराब होती है, उसकी भरपाई भला कौन करेगा। इसकी जवाबदेही किस पर होनी चाहिए।

टकराव में महामहिम

राज्यपाल अपने अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं, तो राज्य सरकारें अपने निर्वाचित होने का हवाला दे रही हैं। केरल में राज्यपाल ने कुछ दिनों पहले दस विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफा मांग लिया। उनका कहना था कि उनकी नियुक्ति में तय नियम-कायदों का पालन नहीं किया गया। इसे लेकर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ठन गई। बाद में उच्च न्यायालय ने राज्यपाल के आदेश पर रोक लगा दी। अब राज्य सरकार ने राज्यपाल का विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का दर्जा समाप्त करने का अध्यादेश पारित कर दिया है। हालांकि उस पर भी राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है, मगर अपने-अपने अधिकारों को लेकर जंग छिड़ी हुई है। इसके अलावा कुछ दिनों पहले राज्यपाल ने सरकार के एक मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, जो स्वाभाविक ही राज्य सरकार को नागवार गुजरा और उसे लेकर भी दोनों के अधिकार क्षेत्र पर बहस शुरू हो गई। इसी तरह तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रपति को पत्र लिख कर वहां के राज्यपाल को हटाने की मांग की है। उसका आरोप है कि राज्यपाल उसके कामकाज में बेजा दखल दे रहे हैं। तेलंगाना के राज्यपाल का आरोप है कि राज्य सरकार उनका फोन टैप करा रही है। हालांकि राज्यपाल या उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकारों के बीच तनातनी के ये मामले नए नहीं हैं। पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल सरकार के कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाते रहे, तो सरकार उन्हें चुनौती देती रही। दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच तनातनी का दौर बहुत लंबे समय से चलता आ रहा है। यहां आम आदमी पार्टी सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। शुरू में दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इस तरह विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिलता है कि जहां भी विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल उनके कामकाज में बेवजह दखल देने का प्रयास करते देखे जाते हैं, जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है। ऐसे में राज्यपाल पद की गरिमा और मयार्दा को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। यह ठीक है कि राज्य सरकारें निर्वाचित होती हैं, उन्हें जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करने का अधिक अधिकार होता है और राज्यपाल को उनके कामकाज को सुगम बनाने के लिए बेहतर स्थितियां बनाने का दायित्व निभाना होता है। मगर इसका यह अर्थ नहीं कि सरकारें राज्यपाल को केंद्र का आदमी मान कर नजरअंदाज करें या उनकी अवहेलना करें। पर राज्यपाल से भी अपेक्षा की जाती है कि वे अपने को केंद्र के सत्तारूढ़ दल का प्रतिनिधि मान कर उसकी विचारधारा के अनुरूप राज्य सरकार से काम करवाने का प्रयास करने के बजाय राज्यपाल की गरिमा के अनुरूप काम करें। हालांकि केंद्र द्वारा राज्यपालों को अपने नुमाइंदे के तौर पर नियुक्त करने की प्रवृत्ति पुरानी है, पर राज्य सरकारों के साथ इन टकरावों को देखते हुए एक बार फिर से राज्यपाल की नियुक्ति पर नए सिरे से विचार की जरूरत रेखांकित हुई है। फिर सवाल उठता है कि आखिर सक्रिय राजनीति में रह चुके लोगों को इस पद का दायित्व सौंपा ही क्यों जाना चाहिए।

सुगम नहीं है शिक्षा की डगर

भारत के पहले शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम गुलाम मुहियुद्दीन, जो मौलाना अबुल कलाम आजाद के नाम से ख्यात हैं, की स्मृति में तत्कालीन ह्यमानव संसाधन विकासह्ण मंत्रालय ने 2008 से प्रत्येक वर्ष इनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। शिक्षा के संस्थानीकरण के प्रयासों में तमाम विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और स्कूलों की स्थापना में उनके योगदान और समर्थन को रेखांकित करने के साथ ही उनके धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी चिंतन से प्रभावित शिक्षा दर्शन और शिक्षा समाजशास्त्र को भी नए सिरे से पढ़े जाने की आवश्यकता है।

भारत के पहले शिक्षा मंत्री होने के नाते आजाद से अपेक्षित था कि वे इस बात की विवेचना और नेतृत्व करते कि एक शिक्षित भारतीय नागरिक कैसा होगा और उसकी क्या चारित्रिक संकल्पनाएं होंगी? औपनिवेशिक शिक्षा के माडल से लदी भारतीय शिक्षा-व्यवस्था का भारतीयकरण कैसा होगा और दुनियावी दौड़ में बने रहने के लिए कितना भारतीय और कितना आधुनिक बने रहने की संभावना है। नए-नए आजाद हुए भारत की संकल्पना में उस राष्ट्रवादी भारतीय को गढ़े जाने की जटिलता भी थी, जो बतौर नागरिक माटी और मनुजता से जुड़ा हो। नए भारत को दुनिया के शीर्ष पर लाने की कवायद में विज्ञान और विज्ञानजनित पद्धति के सहारे ही तमाम रोगों का रामबाण या नमक सुलेमानी बनाना भी मौलाना आजाद की ही जिम्मेदारी थी।

यह सवाल हर समय में बना रहता है कि कालजयी और पारंपरिक ज्ञान या आधुनिक ज्ञान के बीच क्या पढ़ाया जाए, जो मनुष्य को मनुज होने का भाव दे। ऐसी कौन-सी शिक्षा हो, जो अपने धर्म के प्रति आस्था के साथ-साथ दूसरे के धर्म के प्रति सम्मान भी सिखाए। ऐसा कौन-सा पाठ्यक्रम हो, जो जातीय गौरव बनाम जातीय अभिशाप के बीच मानवता को तिरोहित न करता हो। ऐसी कौन-सी शिक्षा-व्यवस्था हो, जो वर्गीय, वर्णीय, लैंगिक, भाषाई, प्रांतीय, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय विभेदों को चिह्नित करने का दृष्टिकोण देते हुए उन्हें मिटा न पाने की अवस्था में कम से कम उन्हें भोथरा करने का सजग प्रयास तो करे। भारतीय समाज के नए राष्ट्रीय स्वरूप में किस तरह के स्कूल, कालेज या विश्वविद्यालय खोले जाएं, जो उत्कृष्ट ज्ञान को सर्वसुलभ बनाएं। सौ फीसद नामांकन हासिल करने और शिक्षा गुणवत्ता की चुनौती आजाद के लिए भी उतनी ही विकट थी, जितनी आज आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के क्रम में वर्तमान शिक्षा मंत्री के समक्ष है। अल्पसंख्यकों, दलितों और लड़कियों की शिक्षा के लिए आवश्यक प्रयासों के प्रभावकारी सुझावों की लंबी सूची तमाम शिक्षा आयोगों द्वारा दिए जाने और उन पर आधे-अधूरे अमल किए जाने से इसकी दशा और दिशा बहुत उत्साहवर्द्धक नहीं है। नए आर्थिक उदारवाद के सघन संक्रमण और राजनीतिक अर्थशास्त्र की इच्छाशक्ति की कमी के बाद सबसे ज्यादा संकट हाशिये के लोगों की शिक्षा पर ही आ रहा है। इसी तरह स्कूली अध्यापकों से लेकर विश्वविद्यालय स्तर के अध्यापकों तक को ह्यसरकारी कर्मचारीह्ण मानने, उनके वेतनमान और तमाम अन्य सुविधाओं को लेकर जद्दोजहद औपनिवेशिक शिक्षा के युग में ही शुरू हो गई थी। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ही लगभग अठारह हजार पदों में से छह हजार पद रिक्त हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों में साठ फीसद तदर्थ अध्यापक हैं। यह स्थिति देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों की है। स्कूली स्तर पर यह और भी भयावह है, जहां सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश की राजधानी में चौंसठ हजार पदों में से पैंतीस हजार ही नियमित रूप से नियुक्त अध्यापक हैं। बाईस हजार अतिथि अध्यापकों के साथ भी आवश्यक कुल संख्या के दस फीसद

अध्यापक कम ही रह जाते हैं। अतिथि और तदर्थ अध्यापक, पैरा टीचर और शिक्षा मित्र, जैसे शब्द अपने आप में अध्यापक, अध्यापन, ज्ञान निर्मिति और हमारे विश्व गुरु बनने की संकल्पना और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने की चेष्टा पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। इस प्रकार बिना ह्यसरकारी कर्मचारीह्ण माने अध्यापकों को राजकीय वेतन और प्रोत्साहन दिया जाना असंभव-सा प्रतीत होता है। इसी विमर्श की चिंता में अध्यापक के मूक तानाशाह बन जाने को कृष्ण कुमार शिक्षा में औपनिवेशिक देन कहते हैं। शिक्षा विमर्श में आज के दिन हमें इस सबसे प्रमुख कड़ी के बारे में सोचने की आवश्यकता है। प्रत्येक शिक्षा-व्यवस्था अपनी वैधता, मूल्यांकन करने की क्षमता और योग्यता को चिह्नित करने की क्षमता से प्राप्त करती है। इस व्यवस्था में जांचने से अधिक छांटने पर अधिक बल दिया जाना सहज है। नई राष्ट्रीय परीक्षा एर्जसियों की स्थापना और तीसरी कक्षा में ही बोर्ड की परीक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सुझाव इंगित करती है।

शिक्षा संबंधी तमाम चिंताओं में सबसे महत्त्वपूर्ण चिंता है राज्य द्वारा शिक्षा के लिए वित्तीय आबंटन और शिक्षा के मद में ह्यखर्चह्ण की। शिक्षा के समवर्ती सूची में होने की अवस्था में शिक्षा पर खर्च का फुटबाल मैच केंद्र और राज्यों के बीच निरंतर एक नया प्रहसन उत्पन्न करता है। राष्ट्रीय बजट में लगातार शिक्षा के प्रति वित्तीय आबंटन में आ रही गिरावट शिक्षा के प्रति राज्य के सरोकार को रंखांकित करती है। वर्ष 2021-22 का बजटीय प्रावधान पिछले वर्ष के मुकाबले छह फीसद की कटौती करता है और इस साल के जीडीपी का पौने तीन फीसद शिक्षा पर खर्च करने की योजना प्रस्तुत करता है। वित्तवर्ष 2021-22 में शिक्षा का कुल बजट लगभग 93,224 करोड़ है, जो कुल बजट का लगभग पौने तीन फीसद है। इस बजट में उच्चतर शिक्षा विभाग को 38350 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जो कुल शिक्षा बजट का लगभग इकतालीस फीसद है। हालांकि वित्तवर्ष 2020-21 में शिक्षा का कुल बजट 99311 करोड़ रुपए था, जिसमें उच्चतर शिक्षा विभाग का बजट 39466 करोड़ रुपए था। इस प्रकार तुलनात्मक रूप से देखें तो शिक्षा बजट में लगभग साढ़े छह फीसद (6,087 करोड़ रुपए) और उच्चतर शिक्षा में लगभग पौने तीन फीसद (1115 करोड़ रुपए) की कमी की गई है। इसलिए मानव को संसाधन मान कर उसके विकास में होने वाले खर्च को ह्यनिवेशह्ण मानने वाला मानव संसाधन विकास मंत्रालय और शिक्षा को संसाधन से अधिक मान मानवीय गुणों को परिष्कृत मानने वाला शिक्षा मंत्रालय दोनों ही शिक्षा के प्रति वित्तीय आबंटन को लेकर वित्त मंत्रालय की कृपा दृष्टि नहीं ले पा रहे हैं। शिक्षा के प्रति कृपा कहां अटकी हुई है, इसकी पड़ताल में रोजाना एक नया दस्तावेज जारी हो रहा है, पर शोध और शिक्षा पर वित्तीय कृपा न मौलाना आजाद के समय में हुई और न आज हो पा रही है। सकल घरेलू उत्पाद का छह फीसद शिक्षा पर खर्च हो, ऐसा सुझाव कोठारी आयोग ने सन 1966 में दिया था। 2011-12 के वित्तीय बजट में सर्वाधिक ऊंचाई चार फीसद हासिल करने के बाद इसमें लगातार हुई गिरावट इसे पौने तीन फीसद के आसपास ले आई है। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने के क्रम में मौलाना आजाद के चित्र के सामने द्वीप प्रज्वलन और रस्मी जलपान के बाद नामांकन, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, अध्यापक प्रशिक्षण और शिक्षा को वित्तीय आबंटन की चिंता का राष्ट्रीय विमर्श जनित हो, ऐसा प्रयास तमाम शिक्षा संस्थानों और शिक्षाविदों से आपेक्षित है, अन्यथा मौलाना अबुल कलाम आजाद की मृत्यु की खबर के साथ ही यह छपना कि इससे कैबिनेट में एक जगह खाली हो गई और जिसके लिए तमाम नेताओं ने आपसी होड़ शुरू कर दी है, मौलाना आजाद के अवदान के साथ-साथ शिक्षा और शिक्षा-व्यवस्था के प्रति हमारी तात्कालिक और समकालिक चिंता को रेखांकित करता है।

सांस संबंधी परेशानी, धुआं और धुंध घुटता दम

सरकारें और अस्पताल लोगों को स्वास्थ्य संबंधी हिदायतें जारी कर रहे हैं। जिन्हें सांस संबंधी समस्याएं जैसे अस्थमा, क्रोनिक आब्सट्रक्टिव पल्मोमरी डिजीज (सीओपीडी), क्रोनिक ब्रोंकाइटिस आदि बीमारियां पहले से हैं, उनके लिए यह मौसम अधिक परेशानी भरा होता है। ऐसे में जरूरी है कि सर्दियों में सांस की समस्या से बचाव के इंतजाम किए जाएं।

सर्दियों में सांस की समस्या होने का मतलब यह नहीं कि घर से बाहर ही निकलना बंद कर दें। इसके लिए स्वस्थ रहना ज्यादा जरूरी है। कुछ स्वस्थ लोगों को भी सर्दियों में ठंडी हवा के कारण फेफड़े में परेशानी हो सकती है। महानगरों में बढ़ते वाहनों की वजह से उनका धुआं हवा में घुल कर लोगों को सांस संबंधी परेशानियां पैदा कर रहा है। इससे पार पाने के लिए अपने फेफड़ों को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। सर्दियों में वायुमंडल सिमट कर धरती की सतह के आसपास आ जाता है, जिससे वायु प्रदूषण अधिक तकलीफदेह साबित होता है। तापमान जब काफी कम हो जाता है तो सीओपीडी के लक्षण दिखने

लगते हैं, नतीजा यह होता है कि फेफड़ों में सांस सामान्य ढंग से नहीं जा पाती। इससे व्यक्ति में कुछ खास प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं। जैसेः सांस अच्छी तरह से न ले पाना, बलगम का बढ़ना, हल्की-हल्की सांसें लेना, खांसी की समस्या, घरघराहट, सांस लेने में कष्ट होना आदि।

कारण, लक्षण और उपाय

सर्दियों में सांस की समस्या से पार पाने के लिए जरूरी है कि ठंड के संपर्क में कम से कम आएं। इसका अर्थ यह हुआ कि सुबह और रात के समय जब तापमान काफी कम होता है तो कोशिश करें कि घर के बाहर न निकलें। इसके अलावा अगर घर के बाहर जाते भी हैं तो ऐसे कपड़े पहनें ताकि ठंड न लगे।

अगर आपको सीओपीडी की शिकायत है तो सर्दियों में घर से बाहर जाने के पहले ह्यरेस्क्यू इनहेलरह्ण को अपने साथ रख लें, लेकिन इसके लिए डाक्टर की सलाह जरूर लें। बल्कि घर से ही इसकी खुराक लेकर बाहर निकलें। खासकर तब, जब आप लंबी सैर पर या बाहर व्यायाम के लिए निकल रहे हों। ठंड अधिक होने पर संभावना है कि सीओपीडी के मरीजों को परेशानी हो। ऐसे में अच्छा यही होगा कि आप उसके लिए तैयार रहें।

अलाव के पास न बैठें

जिन्हें सांस संबंधी परेशानी है, उन्हें सर्दियों में आग के आसपास बैठने से बचना चाहिए। आम लोगों की तुलना में फेफड़े की समस्या से ग्रस्त इंसान को आग के आसपास जाने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। संभव है कि आग से उड़ने वाले छोटे-छोटे कण के कारण उन्हें परेशानी हो। इसकी वजह से श्वास नलियों में दिक्कत हो सकती है। सर्दियों में गर्माहट के लिए कोशिश करें कि अलाव के बजाय इलेक्ट्रिक हीटर आदि का इस्तेमाल करें।

धूम्रपान को कहें ना

जिन्हें सांस संबंधी परेशानी है, उन्हें सिगरेट आदि धूम्रपान बिल्कुल छोड़ देना चाहिए। इससे सांस नलियों में संकुचन हो सकता है। एक सिगरेट में करीब चार हजार से अधिक घातक रसायन होते हैं। सर्दियों में सांस की समस्या से ग्रस्त होने के बावजूद अगर धूम्रपान करते हैं, तो सीओपीडी की गंभीर समस्या हो सकती है। शुरूआत में परेशानी और आगे चलकर मरीज की मौत तक हो सकती है। अगर आपको सीओपीडी, अस्थमा और अन्य सांस संबंधी समस्या है, तो धूम्रपान बिल्कुल न करें। ऐसा कर सर्दियों में आप सामान्य रह पाएंगे।

घर में ही करें व्यायाम

सांस संबंधी समस्या से ग्रस्त लोगों को व्यायाम अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करना चाहिए, मगर सर्दियों में कोशिश यही होनी चाहिए कि घर में ही व्यायाम करें। योग से सांस संबंधी समस्याओं से पार पाने में काफी मदद मिलती है। सर्दियों में नाक से ही सांस लेना बेहतर होता है। ऐसा करने से श्वासनलियों तक सांस जाने से पहले ही वह गर्म हो जाती है। इस तरह सांस फूलने की समस्या नहीं होती। कोशिश यही होनी चाहिए कि हमेशा गर्म कपड़ें पहनें। मुंह पर मास्क और स्कार्फ या मफलर का इस्तेमाल करें।

आरक्षण से सब खुश तो हैं लेकिन अब विचार करना होगा कि यह व्यवस्था कब तक रहे

केंद्र सरकार द्वारा लागू आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों के लिए दस प्रतिशत के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुहर लगा दी। इसने इस आरक्षण को वैध करार दिया है। पीठ के एक न्यायमूर्ति ने साथ ही कहा है कि आरक्षण लंबे समय तक नहीं दिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का फायदा सामान्य वर्ग के लोगों को शिक्षा और सरकारी नौकरी में मिलेगा। भाजपा का एनडीए गठबंधन जहां इसे अपनी सरकार की विजय मान कर लाभ लेने में जुट गया है, वहीं कांग्रेसी भी आगे आकर इस निर्णय की प्रशंसा में लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का कांग्रेस ने स्वागत किया है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट के 103वें संवैधानिक संशोधन को बरकरार रखने के फैसले का स्वागत करती है, जो एससी/एसटी/ओबीसी के साथ-साथ अन्य जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को (एहर) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण कोटा प्रदान करता है।

इस आरक्षण पर सुनवाई करने वाले पांच न्यायधीशों में से तीन ने आर्थिक रूप से कमजोर सामन्य लोगों के आरक्षण के सरकार के फैसले को संवैधानिक ढांचे का उल्लंघन नहीं माना। उल्लेखनीय है कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए सरकार ने सामान्य वर्ग के लोगों को आर्थिक आधार पर दस प्रतिशत आरक्षण दिया था। इसके लिए संविधान में 103वां संशोधन किया था। कानूनन, आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अभी देशभर में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को जो आरक्षण मिलता है, वह 50 प्रतिशत की सीमा के भीतर ही है। केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई थीं।

मुख्य न्यायधीश यूयू ललित, जस्टिस बेला त्रिवेदी, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस रवींद्र भट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच ने इस पर फैसला सुनाया। जस्टिस पारदीवाला ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि आरक्षण का अंत नहीं है। इसे अनंतकाल तक जारी नहीं रहना चाहिए, वर्ना यह निजी स्वार्थ में तब्दील हो जाएगा। आरक्षण सामाजिक और आर्थिक असमानता खत्म करने के लिए है। यह अभियान सात दशक पहले शुरू हुआ था।

केंद्र की ओर से पेश तत्कालीन अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने सुनवाई के दौरान कहा था कि आरक्षण के 50 प्रतिशत की बाध्यता को सरकार ने नहीं तोड़ा। उन्होंने कहा था कि 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने ही फैसला दिया था कि 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए ताकि बाकी 50 प्रतिशत जगह सामान्य वर्ग के लोगों के लिए बची रहे। यह आरक्षण 50 प्रतिशत में आने वाले सामान्य वर्ग के लोगों के लिए ही है। यह बाकी के 50 प्रतिशत वाले ब्लॉक को डिस्टर्ब नहीं करता है।

निर्णय उस समय आया जब गुजरात और हिमाचल में विधान सभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा इस निर्णय का लाभ लेने में लगेगी। उसे ऐसा करना भी चाहिए, क्योंकि उसी ने ये आरक्षण लागू किया था। हालांकि इस बारे में कहती बहुत पार्टी रही हैं, किंतु वह ऐसा नहीं कर पाईं। जिसने किया, लाभ भी उसी के हिस्से में जाएगा। वैसे दलितों और पिछड़े वर्गों के नेताओं में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को छोड़ दें तो अधिकांश नेता गरीब सवर्णों को आरक्षण देने के पक्षधर रहे हैं। स्वयं कांग्रेस भी इसका समर्थन करती रही है।

दरअसल गरीबी समाज में सब जगह है। सवर्ण भी गरीब हैं। अन्य भी बहुत से परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट है। बच्चों की अच्छी शिक्षा देने की समस्या है। ऊंची जाति के व्यक्ति जीवन यापन के लिए पल्लेदारी कर रहे हैं। ग्राम पंचायतों में सफाई करने के काम में लगे हैं। इसीलिए सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए आरक्षण देना केंद्र का एक अच्छा प्रयास था। न्यायधीश पारदीवाला ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि आरक्षण का अंत नहीं है। इसे अनंतकाल तक जारी नहीं रहना चाहिए, वर्ना यह निजी स्वार्थ में तब्दील हो जाएगा। उनके इस कथन पर शायद कोई भी राजनैतिक दल कुछ नहीं कहेगा, न ही आरक्षण खत्म करने के लिए काम करेगा, क्योंकि सभी दल जानते हैं कि वे इसे खत्म करके रिजर्वेशन में आने वालों का विरोध नहीं झेल पाएंगे।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश पारदीवाला जहां आरक्षण को अनंत काल तक जारी रखने के पक्षधर नहीं हैं, वहीं हमारे दलितों की राजनीति करने वाले नेता प्राइवेट सैक्टर में भी आरक्षण लागू करने का प्रयास करते रहे हैं। स्वर्गीय रामविलास पासवान केंद्र में गठबंधन सरकार में शामिल होकर बार-बार ये मांग उठाते रहे। पिछली सरकार में केंद्रीय कानून मंत्री रहे रविशंकर प्रसाद ने निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर) में आरक्षण पर एक सवाल के जवाब में कहा कि इस पर राष्ट्रीय सहमति जरूरी है। उन्होंने कहा था कि देश के विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में इस पर सोचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक बार सहमति बन जाने के बाद आरक्षण लागू होने में दिक्कत नहीं आएगी। वह बिहार विधानसभा भवन के शताब्दी समारोह में विधायकों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

केंद्र में सत्ताधारी भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की एक बार इस बारे में बैठक हो चुकी है, पर वह जानता है कि इससे उसे हानि ही होगी, लाभ मिलेगा, इसकी गारंटी नहीं है। सवर्ण भाजपा का सबसे बड़ा वोटर है, जबकि आरक्षण का लाभ लेने वाला वोटर बंटा है। एक बात और इसकी भी गारंटी नहीं दी जा सकती कि आरक्षण का लाभ लेने वाला तबका लाभ लेकर रिजर्वेशन देने वाली पार्टी को वोट दे ही देगा। तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था। इसके बावजूद आरक्षण जिनको मिला, उनका वोट स्वर्गीय वीपी सिंह को नहीं मिला। अन्य पिछड़ा वर्ग की पीठ पर सवार हो दुबारा प्रधानमंत्री बनने का इनका सपना पूरा नहीं हो सका। अन्य पिछड़ा वर्ग के इस आरक्षण का देश भर से सवर्ण युवाओं ने विरोध किया था। एक सौ से ज्यादा युवाओं ने आत्मदाह कर लिया था। इतना सब करके के भी अगली बार वीपी सिंह सरकार नहीं बना पाए थे। अपने वोटर को रिझाने के लिए राजनैतिक दल अपने-अपने प्रदेश में प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय युवकों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रयास में हैं। कुछ जगह हुआ भी है। ये राजनेता जानते हैं कि यह संविधान के अनुरूप नहीं है, किंतु राजनैतिक स्वार्थ में अपने प्रदेश की जनता को गुमराह करने में लगे हैं। वे जानते हैं कि कोर्ट में जाकर इस पर रोक लग जाएगी। पर उनका काम इसे लागू कराना नहीं, मात्र लाभ लेना है। केंद्र सरकार जिस तरह से दुनिया के उद्योग समूह को देश में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित कर रही है। प्रदेशों में उद्योग आ रहे हैं, उसे देख लगता है कि कोई भी सरकार प्राइवेट क्षेत्र में आरक्षण लागू करने का दुस्साहस नहीं करेगी।

कालाजार उन्मूलन के लिए त्वरित जांच जरूरी : सीएमओ

प्रखर कुशीनगर। कालाजार उन्मूलन के संबंध में पडरौना नगर के एक होटल में शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में चिकित्सकों को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश पटारिया ने कहा कि कालाजार उन्मूलन के लिए सभी चिकित्सक सतर्क रहें।

उन्होंने कहा कि यदि दो सप्ताह से अधिक समय से कोई बुखार का मरीज आएं तो उसकी आरके-39 किट से जांच कराएं। रिपोर्ट धनात्मक आने पर त्वरित इलाज भी शुरू कराएं। सरकारी अस्पताल पर जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध है। कालाजार के मरीज के इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजने के लिए एंबुलेंस सेवा भी उपलब्ध कराएं। सभी चिकित्सक अपने अपने क्षेत्र में कालाजार से बचाव के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम भी कराएं।

वेक्टर बार्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ.आरके गुप्ता ने कहा कि कालाजार के लक्षण दिखे तो मरीज सरकारी अस्पताल पर जाकर जांच और इलाज शुरू कराएं। जांच और इलाज दोनों निःशुल्क है।

उन्होंने कहा कि कालाजार उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य विभाग एलर्ट हैं। जहां कहीं भी केस निकलते हैं, वहां तत्काल निरोधात्मक कार्रवाई की जाती है। साल में दो बार छिड़काव कराया जाता है। कालाजार मरीज को उपचार के उपरांत पांच सौ रुपए तथा चमड़ी कालाजार के रोगी को चार हजार रुपये दिए जाते हैं।

डब्ल्यूएचओ की मंडलीय समन्वयक शिरीषा पटेल ने कालाजार (वीएल) और चमड़ी कालाजार(पीकेडीएल) के लक्षण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि कालाजार के मरीज का इलाज एक दिन में हो जाता है,जबकि चमड़ी कालाजार के मरीज का इलाज 84 दिन तक चलता है। यदि किसी मरीज को दवा का साइड इफेक्ट दिखे उसे तत्काल चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। अपने मन से दवा बंद नहीं करनी चाहिए।

कार्यशाला में पाथ के जोनल को-आर्डिनेटर नीरज, मलेरिया निरीक्षक विजय गिरी, पिंकेश राय, एमएन शुक्ला, अंकिता श्रीवास्तव, सोनम पांडेय, प्रगति, नीतिन नायर तथा सीफार संस्था के जिला समन्वयक नीतिश गोविन्द राव मौजूद रहे।

कालाजार को जानिए- कालाजार बालू मक्खी के काटने से होता है। यह मक्खी नमी वाले स्थानों पर अंधेरे में पाई जाती है। इसके काटने से लोग बीमार हो जाते हैं। उन्हें बुखार होता है जो रूक रूक कर चढ़ता उतरता है। पेट फूल जाता है।

निपुण भारत मिशन के तहत एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन

प्रखर गोरखपुर। खंड शिक्षा अधिकारी पाली श्री रजनीश कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में अखिल भारतीय संस्कृतिक संस्थान लखनऊ द्वारा निपुण भारत मिशन के तहत एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन ब्लॉक पाली के डुमरी निवास और घाघसरा बाजार चौराहे पर नोडल टीचर प्रदीप कश्यप और सौरभ राज के नेतृत्व में किया गया कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से निपुण भारत मिशन के तहत ग्रामीणों को जागरूक कर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं और उन से लाभान्वित बच्चों के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें प्रेरित किया गया कि वह अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय अवश्य भेजें नुक्कड़ नाटक में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शासन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है अतः हमारा परम दायित्व है कि हम अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजकर उन्हें एक योग्य और श्रेष्ठ नागरिक बनाने में अपना योगदान दें और शासन की विभिन्न जन उप योगी योजनाओं का लाभ बच्चों को अवश्य दिलाएं और डी बी टी के माध्यम से जो पैसा आया है उससे बच्चों का ड्रेस, बैग, जूता मोजा, स्वेटर अवश्य खरीद कर बच्चों को उपलब्ध करा दे जिससे हमारे बच्चे संपूर्ण परिधान में विद्यालय पहुंचकर पूर्ण मनोयोग से शिक्षा ग्रहण कर सकें नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में प्रमुख रुप से उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष एवं ब्लॉक पाली अध्यक्ष विपिन बिहारी धर दुबे, प्रेम नारायण चौबे, ग्राम प्रधान डुमरी बृजेश यादव ,संजीव राय, सरोज गौतम, जनार्दन धर दुबे ,आसमा खातून, अरुण सिंह ,राजेश कुमार, देव कुमार ,आलोक नायक ,लोकनाथ गुप्ता समेत विद्यालय के बच्चे और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

20 नवम्बर को मनाया जायेगा वार्षिकोत्सव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुहम्मदाबाद क्षेत्र अन्तर्गत बहुत कम समय मे ही अपनी अलग पहचान बनाने वाले ए0 के0 इंटरनेशनल स्कूल का चौथा वार्षिकोत्सव 20 नवम्बर 2022 दिन रविवार को दोपहर के 2 बजे से विद्यालय प्रांगण में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें छात्रों को विभिन्न प्रतिभागों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। इस वर्ष वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष शसपना सिंह होंगी। बताते चलें ए. के. इंटरनेशनल स्कूल में प्रतिवर्ष वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है जिसके माध्यम से बच्चों को अपने भीतर की प्रतिभा को बाहर निकाल कर विकसित करने का पूर्ण अवसर मिलता है. विद्यालय की निर्देशिका कहकशाँ बेगम ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होना बेहद जरूरी है। प्रतिभा और प्रतियोगिता छात्र जीवन के हिस्सा होते हैं। जिसमें बच्चे पूरा मनोयोग से उत्कृष्ट परिणाम हेतु उच्च प्रदर्शन एवं प्रयास करते हैं। कार्यक्रम के तिथि एवं रूपरेखा की जानकारी विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक राय ने दिया है।

जिलाधिकारी की उपस्थिति में हुई धन की क्रॉप कटिंग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। क्राप कटिंग प्रयोग के आधार पर जनपद में फसलों की औसत उपज और उत्पादन के ऑकड़े तैयार किये जाते है जिससे उत्पादन की सटीक जानकारी प्राप्त की जाती है। क्राप कटिंग के प्रयोग के आधार पर ओलावृष्टि,भारी वर्षा एंव अन्य नुकसान से फसलों की बीमा की राशि निर्धारित की जाती है। इसी सिलसिले में आज जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की उपस्थिती मे ग्राम अतरौली तहसील सदर में शिवमुनि के खेत मे धान की क्राप कटिंग कराई गयी। इस दौरान 43.03 वर्ग मीटर या .0043 हेक्टेयर खेत में क्राप कटिंग मौके पर कराई गयी। जिसमें 23.130 किग्रा उपज तौलाई के दौरान प्राप्त हुई। इसके आधार पर प्रति हेक्टेयर 53.14 कुन्तल उपज जनपद में पैदावार अनुमानतः लगाया गया। जिलाधिकारी ने किसानो को अपने नजदीकी धान क्रय केन्द्रो पर धान बेचने की सलाह दी जिससके उन्हे अपने धान का उचित मूल्य मिल सके। उन्होने किसान बन्धु से आग्रह किया कि किसी भी बिचौलियों के बहकावे न आये। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी किसानो से अपने-अपने खेतो में पराली न जलाने की अपील की। मौके पर उपजिलाधिकारी सदर प्रतिभा मिश्रा, जिला कृषि अधिकारी मृत्युन्जय सिंह, तहसीलदार अभिषेक राय, ग्राम प्रधान दीना नाथ उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग के द्वारा अवैध कच्ची शराब के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई

प्रखर गोरखपुर। आबकारी विभाग के द्वारा चलाये जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत दिनांक 11-11-2022 को आबकारी निरीक्षक सेक्टर- 01 अरविंद कुमार मिश्रा एवं आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-02 मिथलेश कुमार के नेतृत्व में कच्ची एवं अवैध शराब के विभिन्न सदिग्ध स्थलों पर दबिश दी गई। वही थाना-शाहपुर के अन्तर्गत व्यास नगर, बधिक टोला, मोहनापुर, पादरी बाजार व थाना- रामगढ़ ताल के अन्तर्गत फुलवरिया में दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान लगभग 75 ली अवैध कच्ची शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत 03 अभियोग पंजीकृत किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश को माफियाओं से तो काफी हद तक मुक्त कर दिया, अब मच्छरों से भी मुक्त कर दे -डॉ आर एन सिंह

प्रखर गोरखपुर । जनपद में डेंगू के लारवा मिलने से डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है ऐसे में जनपद में मच्छरों का प्रकोप चारों तरफ फैला हुआ है मिशन सेवा इन इंडिया के डॉक्टर आर एन सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को माफियाओं से काफी हद तक मुक्त कर दिया है मगर मच्छरों की मार से डेंगू का कहर बरकरार है। मच्छरों को मारने के लिए ड्रोन से हवाई फागिंग हो जाए तो मच्छर और माफिया दोनों का सफाया हो जाएगा । डेंगू पर लगाम लगाने के लिए यह अति आवश्यक है।

आबकारी निरीक्षक अरविंद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में टीम ने अवैध कच्ची शराब के ठिकाने पर दबिश

प्रखर गोरखपुर। जिला आबकारी महेंद्र नाथ सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग के प्रवर्तन दल टीम के निरीक्षक अरविंद कुमार मिश्रा व आबकारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार ने आज संयुक्त टीम बनाकर अवैध कच्ची शराब के ठिकाने पर दबिश दी गई। टीम ने शाहपुर क्षेत्र के व्यास नगर, बधिक टोला , मोहनापुर पादरी बाजार और रामगढ़ताल क्षेत्र के फुलवरिया गांव में दबिश दी गई दबिश के दौरान टीम ने 75 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया है इसके साथी तीन अभियोग पंजीकृत कराया है। आबकारी निरीक्षक अरविंद कुमार मिश्रा ने बताया कि अवैध कच्ची शराब के निष्कर्षण व बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज यह कार्रवाई की गई है यह कार्रवाई निरंतर चलती रहेगी जब तक अवैध कच्ची शराब के कारोबार का समूल नास नहीं कर दिया जाएगा।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर केराकत जौनपुर । केराकत कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अखईपुर निवासी दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त अरविन्द कुमार पुत्र स्व शिव कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गौरतलब है कि उक्त दुष्कर्मी पर आईटी एक्ट समेत अन्य कई संवेदनशील धाराओं में मुकदमा पंजीकृत है। वही अभियुक्त फरार चल रहा था। जिसे प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा ने अपने हमराहियों के साथ शुक्रवार को पूर्वान्ह साढ़े ग्यारह बजे घर से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

इंसानियत के मसीहा कुँवर वीरेन्द्र सिंह तुम्हें सलाम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गत 7नवम्बर22 को एक लावारिस लाश गहमर थाना क्षेत्र के भदौरा रेलवे बकैनिया रेलवे ट्रैक पर ट्रेन दुर्घटना में एक 50 वर्षीय मुस्लिम व्यक्ति का शरीर से सिर, पैर और हाँथ कटकर अलग हो गया था जिससे अज्ञात मृतक व्यक्ति का मौके पर ही मृत्यु हो गई थी जिनकी शिनाख्त नहीं होने पर अज्ञात मृतक व्यक्ति के लाश को समाजसेवी कुँवर वीरेंद्र सिंह द्वारा कांस्टेबल सन्नी यादव जी व दिनेश पटेल जी के सहयोग से मर्चरी रूम में रखवाकर शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही थी जिनकी शिनाख्त नहीं होने तथा 72 घण्टे होने के उपरांत लाश को कांस्टेबल सन्नी यादव जी व दिनेश पटेल जी के सहयोग से लाश को मर्चरी रूम से पोस्टमॉर्टम हाऊस ले जाकर पोस्टमॉर्टम कराने के बाद मुस्लिम समुदाय के रीति रिवाज से पुलिस कार्रवाई कराने के बाद इमामबाड़ा के कब्रिस्तान में इंतजामिया कमेटी के जानिब से सुपूर्द ए खाक किया । बताते चले कि कुँवर वीरेंद्र सिंह पिछले कई वर्षों से लावारिस मरीजो की सेवा तथा लावारिस शवो का अंतिम संस्कार का जिम्मा ले रखे है, इसके लिए जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक कई बार सम्मानित भी किया गया है। आज इस मौके पर समाजसेवी अतीक अहमद राईनी , गुड्डू खान , अशरफ उल्लाह खान, पप्पू गाजी, पप्पू बासफोर, अभिषेक यादव, सूरज आदि लोग मौजूद रहे।

एसवी इवेन्ट एवं मणिकर्णिका इवेन्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम मिस, मिसेज, एंड मिस्टर फेस ऑफ काशी प्रतियोगिता - 2022 का प्रथम ऑडिशन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। एस वी इवेन्ट एवं मणिकर्णिका इवेन्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम मिस ,मिसेज , एंड मिस्टर फेस ऑफ काशी प्रतियोगिता - 2022 का प्रथम ऑडिशन 10 नवंबर गुरुवार को सामनेघाट स्थित शिव रुद्राक्ष रेसॉर्ट में आयोजित किया गया आज के इस ऑडिशन में वाराणसी और आस पास के जिलों से आये कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ऑडिशन कुल 3 राउंड में हुआ जिसमें सर्वप्रथम सुमधुर फिल्मी गानों पर मॉडलो ने रैम्पवॉक किया इसके उपरांत उपस्थित निर्णायको को अपना - अपना परिचय दिया` तीसरे टैलेन्ट राउंड में मॉडलो ने रंगबिरंगे आकर्षक परिधानों में फिल्मी गानों पर डांस कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया इस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले शो 24 दिसम्बर 2022 को वाराणसी में होगा` ग्रैंड फिनाले शो से 3 दिन पहले चयनित मॉडलों का कोरियोग्राफ करके उन्हें फाइनल शो के लिए तैयार किया जाएगा। इस ऑडिशन में निर्णायको में वन्दना सिंह (विनर मिसेज बनारस - 2021) , सपना सिंह राजपूत (विनर मिसेज बनारस जूनियर ग्रुप) , मिस वर्तिका जायसवाल (विनर कोहिनूर मिस इंडिया - 2021) , उपस्थित थी। इस अवसर पर मुख्य रूप से अभिषेक बंका , मिलन श्रीवास्तव शाहिद मर्चेन्ट उपस्थित थे।

भूस्वामी मुंबई अस्पताल में भर्ती, पुलिस करा रही कब्जा

प्रखर जौनपुर। जमीन मालिक का मुंबई के एक अस्पताल में ब्रेन सर्जरी के बाद विगत दस दिनों से उपचार चल रहा है।और हल्का पुलिस ने उसकी जमीन पर पक्का निर्माण शुरू कर दिया। एसडीएम और सीओ ने थाना पुलिस को फोनकर कब्जा बंद कराने का निर्देश दिया।बावजूद इसके पुलिस कर्मी उच्चाधिकारियों को भरमित करते रहे। जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। पोटरिया गांव निवासी लुकमान अहमद पुत्र सनाउल्लाह व उनके तीन भाइयों की ननिहाल में इसी थाना क्षेत्र के अफलेपुर गांव में नंबरी जमीन है।लुकमान अहमद के बड़े भाई की मृत्यु हो चुकी है।अन्य सभी लोग रोजगार के सिलसिले में बाहर रहते हैं।एक पखवारा पूर्व लुकमान अहमद को ब्रेन हेमरेज हुआ।परिवार के लोगों ने मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।जहां पर ब्रेन सर्जरी के बाद लुकमान अहमद का उपचार चल रहा है। परिवार के अधिकांस सदस्य भी साथ हैं।मौके का फायदा उठाकर छह नवंबर की रात से ही अफलेपुर गांव के अब्दुल सलाम पुत्र परवेज,सरीफुल पत्नी परवेज जमीन पर कब्जा कर पक्का निर्माण शुरू करा दिया।परिवार के लोगों ने मुंबई में होने और परेशानी का हवाला देते हुए प्रभारी निरीक्षक घनश्याम शुक्ला से निर्माण कार्य रुकवाने के लिए गुहार लगाई।फिर भी निर्माण कार्य जारी रहा।भुक्तभोगी ने मामले की जानकारी सीओ सदर को दिया।उन्होंने देर रात पुलिस को मौके पर भेजकर निर्माण कार्य रुकवाया। सीओ और एसडीएम ने एसएचओ को मामले को शनिवार को समाधान दिवस पर निस्तारित करने का आदेश दिया।दबंगों ने हल्का पुलिस पवित्र भूषण और अनुज सिंह के सह पर गुरुवार की रात से लेकर शुक्रवार की सुबह तक जमीन के काफी हिस्से पर कब्जा कर दीवार खड़ी कर लिया।निर्माण कार्य चल रहा था कि जानकारी होने पर भुक्तभोगी के परिवार वालों ने प्रभारी निरीक्षक और डायल-112 पुलिस को दिया। आरोप है कि मामले की जानकारी हल्का पुलिस ने कब्जा कर रहे लोगों को दी। जिसके बाद लोग काम बंद कर भाग निकले। भुक्तभोगी पक्ष के लोगों ने डीएम, एसपी से पुलिसकर्मियों और दबंगों की कॉल डिटेल जांच की मांग किया है।

ब्लॉक पाली का ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

प्रखर गोरखपुर। पूर्व माध्यमिक विद्यालय डुमरी निवास के प्रांगण में ब्लॉक पाली का ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी पाली श्री रजनीश कुमार द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर व मशाल जलाकर तथा ध्वजारोहण कर किया। सभी प्रतिभागियों को

संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल से शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है क्योंकि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है उन्होंने कहा कि मानव होना भाग्य है परंतु खिलाड़ी होना सौभाग्य है आप सभी खेल को खेल भावना से पूर्ण मनोयोग से खेले क्योंकि खेल में जीतना या हारना नहीं बल्कि प्रतिभाग करना महत्वपूर्ण होता है आप सभी पूरी तन्मयता के साथ प्रतिभाग करें हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। आज प्रतियोगिता के प्रथम दिन बालक वर्ग में चैंपियन विष्णु व बालिका वर्ग में सबीना रहे जूनियर स्तर कबड्डी प्रतियोगिता बालक और बालिका वर्ग दोनों में में पूर्व माध्यमिक विद्यालय डुमरी निवास विजेता व पूर्व माध्यमिक विद्यालय डोहरिया और मंझरिया क्रमशः उपविजेता रहे ' 400 मीटर बालक वर्ग दौड़ में विवेक प्रथम, निखिल द्वितीय व सुनील तृतीय स्थान पर रहे बालिका वर्ग में रागिनी प्रथम ,सबीना द्वितीय व रीना तृतीय स्थान पर रहे लंबी कूद प्रतियोगिता में विवेक प्रथम, सुंदरम द्वितीय व संजीत तृतीय स्थान पर रहे बालिका वर्ग में लक्ष्मी प्रथम, कली द्वितीय व सबीना तृतीय स्थान पर रहे प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में ब्लॉक व्यायाम शिक्षक रजनीश त्रिपाठी ,दयाशंकर सिंह, करुणेश भट्ट, अभय दीप धर दुबे, विनय वर्मा, देवेन्द्र लाल, शुभम चतुर्वेदी, रवि सोनकर रहे प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष व ब्लॉक पाली अध्यक्ष विपिन बिहारी धर दुबे , प्रेम नारायण चौबे, ग्राम प्रधान डुमरी बृजेश यादव, विकास राज, राजकुमार यादव, इंदू प्रकाश चौबे, प्रकांत सिंह, कनीज फातिमा, सरोज गौतम, मारकंडेश्वर नाथ चौबे, मनीराम यादव ,अभिनय मद्धेशिया, सत्य प्रकाश शुक्ला, राजेश कुमार, शिल्पी यादव, परमानंद ,प्रभाकर सिंह ,कुलदीप सिंह ,विजयपाल सिंह ,शैलेश यादव, अनिल विश्वकर्मा समेत ब्लॉक के शिक्षक उपस्थित रहे शेष प्रतियोगिता और समापन समारोह कल होगा प्रथम दिन का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

नगर पालिका ने विवेकानन्द वार्ड को दिया दो सड़कों की सौगात

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर पालिका परिषद गाजीपुर द्वारा वार्ड नम्बर 3 विवेकानन्द वार्ड में 28 लाख की लागत से नवनिर्मित दो सड़कों का लोकार्पण भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं गाजीपुर लोकसभा के संयोजक कृष्ण बिहारी राय एवं नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सरिता अग्रवाल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कृष्ण बिहारी राय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज प्रभात नगर कालोनी में जिस प्रकार का सड़क व ढक्कनयुक्त नाली का निर्माण कर प्रभात लाने का काम सरिता अग्रवाल ने किया है वास्तव में आज प्रभात नगर कालोनी के नामकरण की पुष्टि हो रही है। विकास का सूरज कभी अस्त न हो इसकी जिम्मेदारी आम जनता की होती है भविष्य में आपको निर्णय करना है। नगर पालिका ने जिस प्रकार से विभिन्न क्षेत्रों में विकास का कीर्तिमान स्थापित किया है वह प्रशंसनीय है। नगर की गलियों को ढक्कनयुक्त नाली बनाकर उसी लेबल में सड़क बनाकर उस सड़क को चौड़ा करना अपने आप में एक बेहतरीन कार्य दशार्ता है। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने कहा कि हम नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु कृत संकल्पित हैं। हमने बहुत सारे विकास कार्य किए और लगातार विकास का क्रम जारी है। उन्होंने स्वच्छता को लेकर लोगों से समय से कूड़ा देने की अपील की। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने बताया कि तुलसी सागर पश्चिमी में कालिका प्रसाद के मकान से श्रीमती सुशीला श्रीवास्तव के मकान होते हुए जग्गन सिंह यादव के मकान तक ढक्कनयुक्त नाली व इण्टरलाकिंग सड़क का निर्माण 12 लाख की लागत से एवं प्रभात नगर कालोनी में मनोज यादव के मकान से रितु राय के मकान तक नाली व इण्टरलाकिंग सड़क का निर्माण 16 लाख कुल 28 लाख की लागत का लोकार्पण कर जनता को सुपुर्द कर दिया गया है। नगर पालिका लगातार विकास कार्यों को अंजाम दे रही है। नगर में आर0ओ0 वाटर प्लान्ट, कुओं का सुन्दरीकरण, घाटो पर चेंजिंग रूम, दिशा निर्देशन बोर्ड, ओवर हैण्ड टेंको की मरम्मत, रंगाई-पोताई, पम्प हाउस का मरम्मत, हैण्डपम्पो का रिबोर व नया अधिष्ठापन आदि कार्य तीव्र गति से चल रहा है। नगर पालिका विकास कार्यों के लिए लगातार प्रयासरत है। वरिष्ठ नेता डा0 व्यासमुनि राय ने सरिता अग्रवाल के विकास कार्यों की सराहना करते हुए नगर पालिका के विकास कार्यों की विस्तृत चर्चा की और जनता से 2019 की भूल को न दोहराने की अपील की । भाजपा के जिला उपाध्यक्ष श्री अखिलेश सिंह, वरिष्ठ एडवोकेट समरप्रताप सिंह, रासबिहारी राय, दिनेश बिन्द, अनन्त सिंह अध्यक्ष विशिष्ठ बी0टी0सी0 सहित कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री रामप्यारे सिंह तथा आभार प्रकाश सभासद प्रतिनिधि श्री रूपक तिवारी ने किया। कार्यक्रम में भाजपा के जिला मंत्री श्री सुरेश बिन्द, नगर अध्यक्ष श्री सुनील गुप्ता, संतोष जायसवाल, विजय कुमार मुन्ना, नगर महामंत्री अजय कुशवाहा, अभिनव सिंह, निखिल राय, जावेद अहमद, सुधीर मिश्रा, गोरख सिंह, अमित सिंह, अरूण कुमार श्रीवास्तव, खुशबू वर्मा, हर्षित सिंह, गौरव श्रीवास्तव के अलावा सभासद/प्रतिनिधि दिग्विजय पासवान, अनिल वर्मा, संजय राम, कमलेश श्रीवास्तव, सुशील वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, अजय राय दारा, कुंवर बहादुर सिंह, विनोद कुशवाहा, कमलेश बिन्द, नफीस भाई, नन्हें भाई, नेहाल अहमद के अतिरिक्त संतोष पाठक, बंटी श्रीवास्तव, अजय गुप्ता सोनू, शाश्वत सिंह, भानु केशरी, अनूप सिंह, आशीष श्रीवास्तव, चंचल सिंह, मुन्ना राम, सुखराम यादव आदि मौजूद रहे।

मनुष्यों के कान की महत्वपूर्ण हड्डी कोक्लीया पर अहम शोध

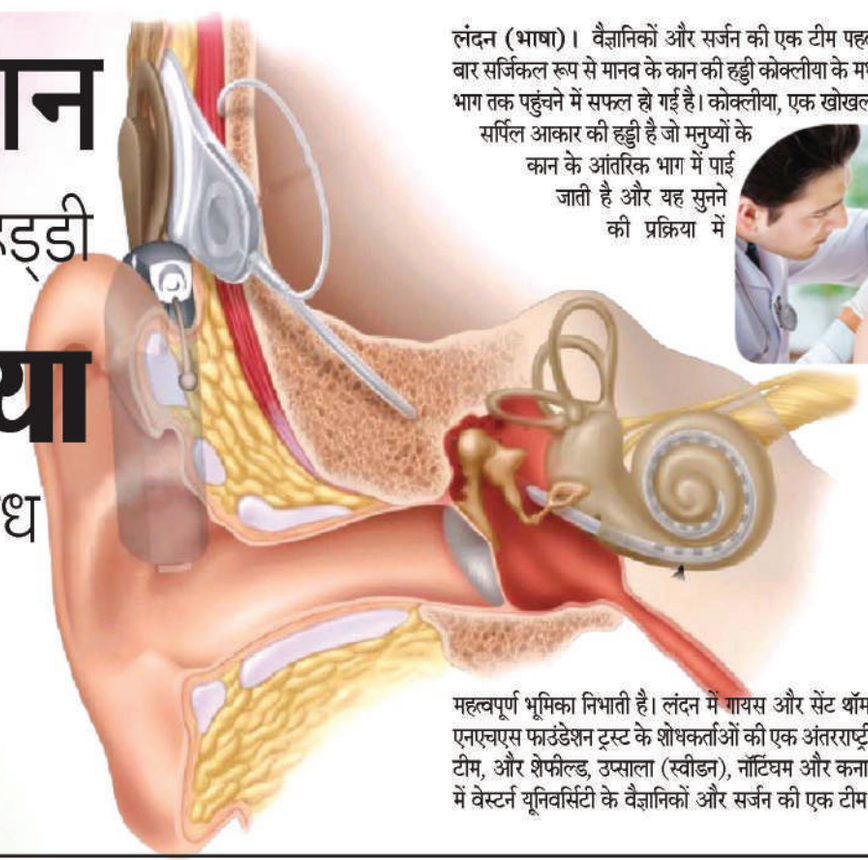

इस शोध से बधिर लोगों में सुनने की क्षमता को बहाल करने के लिए उपचार प्रक्रिया को और मजबूती मिलेगी

लंदन (भाषा)। वैज्ञानिकों और सर्जन की एक टीम पहली बार सर्जिकल रूप से मानव के कान की हड्डी कोक्लीया के मध्य भाग तक पहुंचने में सफल हो गई है। कोक्लीया, एक खोखली, सर्पिल आकार की हड्डी है जो मनुष्यों के कान के आंतरिक भाग में पाई जाती है और यह सुनने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लंदन में गायस और सेंट थॉमस एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट के शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम, और शेफील्ड, उप्साला (स्वीडन), नॉटिंघम और कनाडा में वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों और सर्जन की एक टीम ने कान के आंतरिक हिस्से में पाए जाने वाले कोक्लीया के लिए एक सुरक्षित नैदानिक मार्ग को सिद्ध कर इसकी पुष्टि की है।

इस शोध से बधिर लोगों में सुनने की क्षमता को बहाल करने के लिए उपचार प्रक्रिया को और मजबूती मिलेगी। कोक्लीया मानव खोपड़ी के आधार में स्थित होती है, जो मानव शरीर की सबसे कठोर हड्डी से घिरा होता है। शेफ़ील्ड विश्वविद्यालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि इससे सुनने की क्षमता में कमी के लिए नए उपचारों की खोज की प्रगति में बाधा उत्पन्न हुई। इस शोध को सेंसरिनुरल हियरिंग लॉस (एसएनएचएल) के लिए पुनर्योजी सेल थेरेपी विकसित करने वाली एक जैव प्रौद्योगिकी कंपनी रिनरी थेरेप्यूटिक्स द्वारा वित्त पोषित किया गया था। सर्जन अब नियमित शल्य चिकित्सा दृष्टिकोण के साथ मानव कोक्लीया तक सुरक्षित रूप से पहुंचने में सक्षम हैं।

शेफ़ील्ड विश्वविद्यालय में सेंसरी स्टेम सेल बायोलॉजी के प्रोफेसर और रिनरी थेरेप्यूटिक्स के संस्थापक मार्सेलो रिवोल्टा ने कहा, 'अब तक मनुष्यों के कान का यह आंतरिक क्षेत्र दुर्गम रहा है। इस शोध से चिकित्सकों को काफी मदद मिलेगी।' उन्होंने कहा, ' हमारा मानना है कि शोध के इन निष्कर्षो का आंतरिक कान की सूक्ष्म संरचना के बारे में हमारी समझ को नया आयाम मिलेगा और श्रवण हानि तथा बहरेपन को ठीक करने में सेल, जीन और ड्रग थेरेपी की प्रक्रिया को भी सुधारने में मदद करेगा।'

फिल्म मिस्टर मम्मी का गाना पापाजी पेट से रिलीज

मुंबई (वार्ता)। अभिनेता रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख स्टारर मिस्टर मम्मी का गाना'पापाजी पेट से' रिजीज हो गया है। गाना पापाजी पेट से स्नेहा खानवलकर द्वारा कंपो किया गया है, जबकि इसे अमित गुप्ता और स्नेहा खानवलकर ने गाया है। टी सीरीज द्वारा प्रस्तुत मिस्टर मम्मी हेक्टिक सिनेमा प्रोडक्शन और बाउंड स्क्रिप्ट पिक्चर्स लिमिटेड प्रोडक्शन की फिल्म है, जिसमें रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा लीड रोल में नजर आएंगे। शाद अली द्वारा निर्देशित'मिस्टर मम्मी'टी-सीरीज, शिव अनंत और शाद अली द्वारा निर्मित है। इस फिल्म की कहानी एक ऐसे कपल के इर्द गिर्द घूमती है, जिनकी सोच बच्चे की बात आने पर एक दूसरे से बिलकुल अलग हो जाती है। यह फिल्म 18 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दुनियाभर में हर साल 15 लाख समयपूर्व मौत की वजह हो सकता है वायु प्रदूषण

टोरंटो (भाषा)। दुनियाभर में हर साल 15 लाख लोगों की समय से पूर्व मृत्यु होने की वजह महीन प्रदूषण कण (पीएम 2.5) हो सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि वायु प्रदूषण का कम स्तर सोच से कहीं अधिक खतरनाक है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के हाल के आकलन के अनुसार, हर साल वायु प्रदूषण के बारीक कणों से लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण 42 लाख से अधिक लोगों की समय से पहले मृत्यु हो जाती है। पत्रिका 'साइंस एडवांसेज' में प्रकाशित अध्ययन से संकेत मिलता है कि प्रदूषण के इन महीन कणों के संपर्क में आने से दुनियाभर में हर साल होने वाली मौत अनुमान से कहीं अधिक हो सकती है। केवल सूक्ष्मदर्शी से देखे जा सकने वाले ये कण हृदय तथा श्वसन संबंधी बीमारियों और कैंसर की वजह हो सकते हैं। कनाडा में मैकगिल विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य अनुसंधानकर्ता स्कॉट विचेंथल ने कहा, 'हमने पाया कि बाहरी पीएम2.5 हर साल दुनियाभर में 15 लाख अतिरिक्त मौत के लिए जिम्मेदार हो सकता है।'

भारत-पाक के कलाकारों ने मनाया ट्रक कला का जश्न

यह पहल कतर संग्रहालयों द्वारा शुरू किए गए वार्षिक जेदारी आर्ट कार्यक्रम का एक हिस्सा है

23 गुणा 33 फीट की भित्ति कला भारतीय भित्ति चित्र के साथ एक दूसरे से सटी हुई है, जिसमें 'देखो मगर प्यार से' और 'हॉर्न ओके प्लीज' जैसे प्रसिद्ध ट्रक स्लोगन लिखे गए हैं। इसने भारतीय ट्रकों से प्रेरित हिंदी, अंग्रेजी, बंगाली, पंजाबी, अरबी, उर्दू और तेलुगु में रूपांकनों और नारों का प्रदर्शन किया

दोहा (आईएएनएस)। भारत और पाकिस्तान के भित्ति चित्र और स्ट्रीट आर्टिस्टों ने फीफा विश्व कप के लिए अपनी ट्रक कला के साथ दोहा में अल मंसौरा मेट्रो स्टेशन की दीवारों पर अपनी कला का मुजाहिरा किया। फुटबॉल विश्व कप इस महीने कतर में शुरू हो रहा है।

ट्रक कला दिलचस्प नारों, फूलों के पैटर्न, कैलिग्राफी और वाइब्रेंट कलर्स का एक शानदार प्रदर्शन है, जो आमतौर पर भारत और पाकिस्तान में प्रचलित है। यह पहल कतर संग्रहालयों द्वारा शुरू किए गए वार्षिक जेदारीआर्ट कार्यक्रम का एक हिस्सा है, जिसमें उन्होंने ट्रक आर्ट फॉर्म का जश्न मनाने के लिए कला समूहों (भारत से अखिल भारतीय परमिट और पाकिस्तान से फूल पट्टी) के साथ भागीदारी की। 23 गुणा 33 फीट की भित्ति कला भारतीय भित्ति चित्र के साथ एक दूसरे से सटी हुई है, जिसमें 'देखो मगर प्यार से' और 'हॉर्न ओके प्लीज' जैसे प्रसिद्ध ट्रक स्लोगन लिखे गए हैं। इसने भारतीय ट्रकों से प्रेरित हिंदी, अंग्रेजी, बंगाली, पंजाबी, अरबी, उर्दू और तेलुगु में रूपांकनों और नारों का प्रदर्शन किया।

पाकिस्तानी भित्ति चित्र में प्रकृति और उसके विभिन्न तत्वों को केंद्र में लिखे कतर-पाकिस्तान मैत्री के संदेश के साथ चित्रित किया गया है। कलाकार और ऑल इंडिया परमिट के संस्थापक फरीद बावा ने दोहा न्यूज को बताया, 'कलाकृति अल मंसौरा, दोहा में जातीय विविधता को भी दर्शाती है। भारतीय और पाकिस्तानी ट्रक कला का जश्न मनाने और इसे सीमाओं के पार यात्रा करने में मदद करने के लिए हम कतर संग्रहालयों के आभारी हैं।'

फूल पट्टी के कलाकार और संस्थापक अली सलमान अंचन ने द पेनिनसुला को बताया, 'हमने मंसौरा की दीवारों पर अपनी कला के माध्यम से पाकिस्तान की विरासत की सुंदरता को चित्रित करने की कोशिश की है। ट्रक आर्ट म्यूरल पाकिस्तान की समृद्ध विरासत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए फूल पट्टी के समर्पण का प्रतीक है।' दोहा न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल कतर संग्रहालय में 30 से अधिक सार्वजनिक कला प्रतिष्ठानों को फीफा विश्व कप के लिए देश भर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित करने की योजना है।

भारत के प्रतिभागियों में कलाकार बावा और अखलाक अहमद (शब्बू) और अली सलमान अंचन, मुमताज अहमद, पाकिस्तान के मुहम्मद अमीन शामिल थे। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों, अमल सेरहान, अब्दुलरहमान अहमदी, माया अटिया और ली बेकर ने भी भाग लिया।

4 वर्ष से चले आ रहे प्रेम को आखिर मिल ही गई मंजिल

बिहार : दृष्टिबाधित बने दूल्हा-दुल्हन, लिए सात फेरे।

गया (आईएएनएस)। कहा जाता है कि जोड़ियां उपर से ही तय होती हैं। आमतौर पर देखा जाता है कि सुंदरता के कारण ही लड़के लड़कियां एक दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं, लेकिन बिहार के गया में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां लड़के लड़कियां एक दूसरे को भले नहीं देख सके, लेकिन दोनों का प्यार ऐसा परवान चढ़ा कि अंत में दोनो सात जन्मों के बंधन में बंध गए। गया जिले के शेरघाटी कोर्ट परिसर के मंदिर में दृष्टिबाधित नीरज और दृष्टिबाधित कौशल्या परिणय सूत्र में बंध गए। आज यह शादी इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। युवक-युवती इमामगंज प्रखंड के दो अलग-अलग गांव के हैं। बताया जाता है कि दोनों के बीच करीब चार साल से प्रेम संबंध चल रहा था।

शादी से खुश दृष्टिबाधित कौशल्या कुमारी बताती हैं कि चार वर्ष पूर्व भलुहारा स्थित कस्तूरबा स्कूल में ब्रेल लिपि से पढ़ाई करती थी। उसी दौरान नीरज से उनकी मुलाकात हुई। नीरज भी वहीं पढ़ाई करता था। पहले दोनों में दोस्ती हुई, लेकिन बाद में यह प्यार में बदल गया। इस बीच नीरज दिल्ली कमाने चला गया। वहां उसे किसी प्राइवेट फर्म में काम मिल गया। वह वहीं काम करने लगा। लेकिन, दोनों के बीच प्यार में कोई कमी नहीं आई।

इस दौरान दोनों ने शादी करने का निर्णय ले लिया। इसके बाद दोनों ने अपने-अपने घरवालों को राजी करना शुरू किया। नीरज के घरवालों ने नीरज के दृष्टिबाधिति होने की वजह से शादी के लिए तैयार नहीं हुए और वे इस रिश्ते का विरोध करने लगे। लेकिन नीरज नहीं माना। इस बीच कौशल्या अपनी अभिभावकों को शादी के लिए तैयार कर ली। सोमवार को दोनों शेरघाटी कोर्ट में पहुंचे और मंदिर में शादी रचा ली। शादी के वक्त कौशल्या की ओर से उसके घरवाले मौके पर मौजूद थे। नीरज का कहना है कि वह इतना कमा लेता है कि एक परिवार का खर्च चला सके। उसका कहना है कि वह अपनी दुल्हिनया को दिल्ली ले जाएगा। वहीं कौशल्या का कहना है कि वह इस शादी से काफी खुश है।

सनी देओल, संजय दत्त, मिथुन चक्रवर्ती और जैकी श्रॉफ की फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के सुपरस्टार सनी देओल, संजय दत्त, मिथुन चक्रवर्ती और जैकी श्रॉफ की नयी फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। सनी देओल, संजय दत्त, मिथुन चक्रवर्ती और जैकी श्रॉफ एक फिल्म में साथ नजर आयेंगे। सनी देओल ने इस फिल्म का पहला लुक शेयर किया। फिल्म के फर्स्ट लुक में चारों स्टार्स एक साथ पोज देते हुए नजर आ रहे है। इस फिल्म को विवेक चौहान निर्देशित कर रहे हैं। अहमद खान, शाइरा अहमद खान और जी स्टूडियोज ने मिलकर इसे प्रोड्यूस किया है।

कार्तिक ने फिल्म फ्रेडी के लिए बढ़ाया 14 किलो वजन

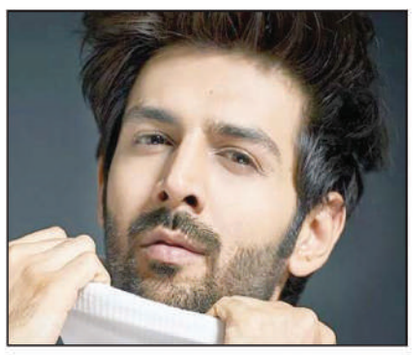

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपनी आने वाली फिल्म फ्रेडी के लिये 14 किलोग्राम वजन बढ़ाया है। कार्तिक आर्यन जल्द फिल्म'फ्रेडी'में नजर आने वाले है। शशांक घोष के निर्देशन में बनी थ्रिलर फिल्म'फ्रेडी'में कार्तिक के साथ अलाया एफ भी नजर आएंगी।फिल्म'फ्रेडी'डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। कार्तिक आर्यन ने फिल्म फ्रेडी के लिए अपना बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन किया है।बताया जा रहा है कि कार्तिक आर्यन ने फ्रेडी के लिये 14 किलो वजन बढ़ाया है।कार्तिक ने बेहद स्ट्रिक्टली नियमों और डाइट प्लान को फॉलो करते हुए कुछ दिनों में ही अपना वेट बढ़ा लिया। कार्तिक आर्यन ने कहा, 'मेरे लिए फ्रेडी का किरदार काफी दिलचस्प और आश्चर्यजनक स्क्रिप्ट में से एक है। जब मैंने देखा कि इस कैरेक्टर के लिए मुझे वजन बढ़ाने की जरूरत होगी, तो मैंने अन्य तैयारियों के साथ इसकी तैयारी भी शुरू कर दी। क्योंकि मै इस किरदार को निभाने के लिए बेहद एक्साइटेड था।'

द वैक्सीन वॉर बनाने के लिए तैयार हैं विवेक

मुंबई (आईएएनएस)। निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री, जिनकी 'द कश्मीर फाइल्स' इस साल एक काफी हिट साबित हुई, अब दूसरी फिल्म बनाने के लिए तैयार हैं। इस बार, फिल्म का विषय स्वदेशी कोविड वैक्सीन और इसके सामने आने वाली चुनौतियां हैं। विवेक ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के टाइटल 'द वैक्सीन वॉर' का खुलासा किया।

फिल्म की कल्पना कैसे की गई, इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, 'जब 'द कश्मीर फाइल्स' को कोविड लॉकडाउन के दौरान स्थगित कर दिया गया था, तो मैंने इस पर शोध करना शुरू कर दिया था। फिर हमने आईसीएमआर और एनआईवी के वैज्ञानिकों के साथ शोध करना शुरू किया, जिन्होंने हमारी खुद की वैक्सीन को संभव बनाया। उनकी कहानी में शोध करते समय हम समझ गए कि कैसे इन वैज्ञानिकों ने भारत के खिलाफ न केवल विदेशी एजेंसियों बल्कि हमारे अपने लोगों (एसआईसी) द्वारा छेड़े गए युद्ध को लड़ा।' उनकी राय में यह फिल्म जैव-युद्ध के बारे में भारत की पहली विज्ञान फिल्म है, 'फिर भी, हमने सबसे तेज, सस्ता और सबसे सुरक्षित टीका बनाकर महाशक्ति यों के खिलाफ जीत हासिल की। मैंने सोचा कि यह कहानी बताई जानी चाहिए ताकि हर भारतीय अपने देश पर गर्व महसूस कर सके। यह एक जैव-युद्ध के बारे में भारत की पहली शुद्ध विज्ञान फिल्म होगी जिसके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं थी।'

फिल्म, जो इस महीने फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है, ने जाहिर तौर पर फिल्म की वैश्विक रिलीज के लिए 15 अगस्त, 2023 को चुना है। इसे हिंदी, अंग्रेजी, तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, भोजपुरी, पंजाबी, गुजराती, मराठी और बंगाली सहित 10 से अधिक भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का निर्माण 'आई एम बुद्धा' प्रोडक्शन की पल्लवी जोशी करेंगी। निमार्ताओं ने अभी कलाकारों की घोषणा नहीं की है।

'पटना शुक्ला' की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार चंदन रॉय सान्याल

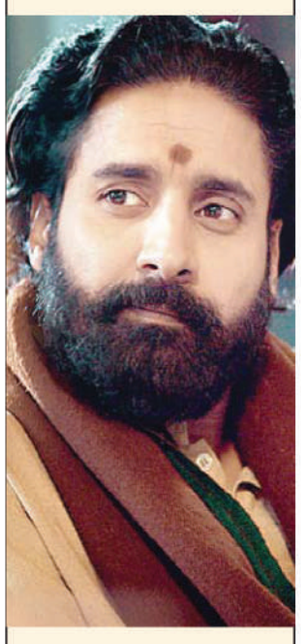

मुंबई (आईएएनएस)। स्ट्रीमिंग शो 'आश्रम' में अपने काम के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता चंदन रॉय सान्याल ने 'पटना शुक्ला' नाम की फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। वह फिल्म में एक वकील की भूमिका निभाते नजर आएंगे। शूटिंग भोपाल में होने वाली है। नई फिल्म के बारे में बात करते हुए, चंदन ने कहा, 'पटना शुक्ला' एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है, और विवेक (बुडाकोटी) जैसा व्यक्ति फिल्म का निर्देशन कर रहा है, वह बिल्कुल सही है। मैं पावरहाउस कलाकारों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।' अपनी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, 'मैं पहली बार एक वकील की भूमिका निभा रहा हूं और मैं चुनौतियों को लेकर बहुत उत्साहित हूं।' 'पटना शुक्ला' एक सामाजिक ड्रामा है, जिसमें रवीना टंडन, सतीश कौशिक, मानव विज, जतिन गोस्वामी और अनुष्का कौशिक भी हैं। इसके अलावा अभिनेचा चंदन रॉय जल्द ही बहुचर्चिच बेव सीरिज 'आश्रम' सीजन 4, जय मेहता की 'लुटेरे' और 'शहर लखोट' में काम करते दिखाई देंगे।

आलिया और रणबीर अपनी बच्ची को साथ में लेकर आए घर

मुंबई, (आईएएनएस)। बॉलीवुड स्टार कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर गुरुवार की सुबह को अपनी बच्ची को अस्पताल से घर 'वास्तु' ले आए हैं। दोनों कलाकारों को गाड़ी में साथ देखा गया जब वह अपनी बच्ची को घर ला रहे थे, इस दौरान आलिया ने कालें रंग के कपड़े पहने हुए थे। 6 नवंबर को अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली आलिया ने इंस्टाग्राम पर अपने और रणबीर के संयुक्त नोट में अपने पहले बच्चे के जन्म की घोषणा की थी। इसमें लिखा था, "और हमारे जीवन की सबसे अच्छी खबर में, हमारा बच्चा यहाँ है, यह बहुत जादूई लड़की है। हम बहुत खुश हैं, प्यार, प्यार, प्यार। आलिया और रणबीर।'

आजम खान की सजा के खिलाफ अपील खारिज

रामपुर, (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। रामपुर की सेशन कोर्ट ने खान को मिली तीन साल की सजा के खिलाफ की गई अपील को खारिज कर दिया। इसके साथ ही रामपुर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार आजम खान की रामपुर सदर सीट के लिए 10 नवंबर को जारी होने वाली उप-चुनाव की अधिसूचना को एक दिन रोक दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सेशन कोर्ट को आदेश दिया था कि वो सजा के खिलाफ आजम की अपील पर गुरुवार सुनवाई करे और उसी दिन फैसला करे।

डिवाइडर से टकराकर कार दुर्घटनाग्रस्त, तीन घायल

अलवर, (एजेंसी)। भरतपुर जिले के सीकरी थाना क्षेत्र में एक कार डिवाइडर में जा टकराने से एक कांस्टेबल सहित तीन व्यक्ति घायल हो गए। दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को अलवर के राजीव गांधी सामान्य अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया। घायल कमल सिंह ने बताया की वह पहाड़ी थाने में कास्टेबल है। थाने के काम से साथी वकील मुकेश कुमार और रिंकू के साथ हाईकोर्ट जयपुर गए थे। उसके बाद कास्टेबल जयपुर अपने बच्चों से मिलने गया जहां उसको रात हो गई। उसके बाद कांस्टेबल रात को ही कार लेकर अपने घर गोपालगढ़ नापदा के लिए निकल लिए। कार कास्टेबल कमल सिंह चला रहे थे। अचानक उनको नींद की झापकी आ गई और कार गोपालगढ़ रोड पर डिवाइडर स जा टकराई।

श्रीलंका सरकार में शामिल होने सीडब्ल्यूसी तैयार

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंका में चाय उगाने वाले पहाड़ी क्षेत्रों पर बसे भारतीय तमिलों के समर्थन वाली सिलोन वर्कर्स कांग्रेस (सीडब्ल्यूसी) ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की सरकार में शामिल होने का संकेत दिये हैं। सीडब्ल्यूसी के महासचिव जीवन थोंडामन ने बताया कि उनकी पार्टी ने विक्रमसिंघे कैबिनेट विभाग को स्वीकार करने की इच्छा के बारे में सूचित कर दिया। हालांकि सीडब्ल्यूसी का उनको जाने वाले विभाग के आधार पर सरकार में शामिल होना निर्भर होगा। उनकी पार्टी यह महसूस करती है कि श्री विक्रमसिंघे देश में तमिलों के मुद्दों को हल करने में मदद कर सकते है।

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि 14 तक बढ़ी

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के सत्र जुलाई 2022-23 के लिए प्रवेश की तिथि 14 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय विवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने लिया। कुलपति प्रोफेसर सिंह के इस निर्णय से प्रवेश के इच्छुक ऐसे छात्रों को भी लाभ मिलेगा, जिन्होंने रजिस्ट्रेशन करा लिया है और प्रवेश शुल्क अभी तक जमा नहीं कर पाए हैं। यह प्रवेशार्थियों के लिए अंतिम मौका होगा। मुक्त विश्वविद्यालय में इस समय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध लगभग 1300 अध्ययन केंद्रों पर संचालित की जा रही है।

आज का इतिहास

- **1675:** गुरु गोबिन्द सिंह सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे।
- **1888:** शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलम आजाद का जन्म।
- **1905:** द प्रिंस ऑफ वेल्स ने द प्रिंस ऑफ वेल्स संग्रहालय की नींव रखी थी।
- **1913:** स्वतंत्रता सेनानी तारकनाथ दास ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को शहर में गदर आंदोलन की शुरुआत की।
- **1918:** पोलैंड ने खुद को स्वतंत्र देश घोषित किया।
- **1926:** भारतीय हास्य अभिनेता जॉनी वॉकर का जन्म।
- **1936:** हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री माला सिन्हा का जन्म।
- **1937:** अमेरिका के क्लिंटन डेविसन और इंग्लैंड के सर जी पी थॉमसन को भौतिकशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया।

दिल्ली शराब केस में दो और गिरफ्तारियां

फार्मा कंपनी के एमडी शरथ रेड्डी को ईडी ने पकड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के चर्चित शराब घोटाले में जांच एजेंसी की कार्रवाई लगातार जारी है। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस घोटाले के एक और आरोपी शरथ रेड्डी को गिरफ्तार किया है। शरथ रेड्डी की गिरफ्तारी जांच एजेंसी के लिए एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखी जा रही है। कहा जा रहा है कि शरथ रेड्डी विजय साई रेड्डी का करीबी है। बता दें कि शरथ रेड्डी अरविंदो फार्मा कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इस घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रही एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग के संबंध में ही शरथ रेड्डी को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि जांच एजेंसी शरथ रेड्डी के ठिकानों पर पहले छापेमारी कर चुकी है और उनसे दो बार पूछताछ भी कर चुकी है। इस केस में जांच एजेंसी ने अब तक कई अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की है। सितंबर के महीने में एजेंसी ने शराब बनाने वाली कंपनी इंडोस्प्रिट के एमडी समीर महेंद्र को गिरफ्तार किया था। कुछ मीडिया रिपोर्ट में कारोबी शरथ रेड्डी के अलावा एक अन्य कारोबारी विनय बाबू को भी ईडी के द्वारा गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है। इस चर्चित घोटाले को लेकर जांच एजेंसी लगातार आरोपियों की धर-पकड़ कर रही है। इस बीच मामले के आरोपी दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के सहयोगी और बिजनेसमैन दिनेश अरोड़ा के सरकारी गवाह बनने की भी खबरें सामने आई हैं। निश्चित है अगर दिनेश अरोड़ा मामले में अंत तक सरकारी गवाह बने रहते हैं तो मनीष सिसोदिया समेत अन्य आरोपियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

चीन सीमा तक पटरियां बिछाएगा रेलवे

गुवाहाटी, (एजेंसी)। भारतीय सेना को चीन सीमा तक आसानी से पहुंचाने भारतीय रेलवे अपनी विस्तार योजनाओं को नई गति दे रही है। इस क्रम में भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल नेटवर्क को मजबूत करने की कवायद में अरुणाचल प्रदेश में चीन की सीमा तक सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के अलावा पड़ोसी भूटान तक रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना बनाई है। रेल मंत्रालय ने बताया है कि इन विस्तार योजनाओं के तहत अरुणाचल प्रदेश में नई रेलवे परियोजनाओं के लिए रेलवे ने अंतिम स्थान सर्वेक्षण जोरों शोरों से शुरू कर दिया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने इन तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे जोन ने अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ और नई रेलवे परियोजनाओं के निर्माण की योजना बनाई है।

लाइन लगभग 58 किमी लंबी होगी नई लाइन

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने यह भी बताया कि हमारी योजना पड़ोसी देश भूटान तक अपनी रेल लाइनों को ले जाना है। उन्होंने कहा कि हमने रेलवे के माध्यम से भूटान को जोड़ने की योजना बनाई है और नई रेलवे लाइन कोकराझार (असम में) से भूटान के गेलेफू तक होगी। यह नई रेलवे लाइन लगभग 58 किमी लंबी होगी।

बाढ़ और भूस्खलन में उखड़ गए रेलवे ट्रैक

इस साल की शुरुआत में बाढ़ और भूस्खलन से दीमा हसाओ के कुछ हिस्से में रेलवे ट्रैक उखड़ गए थे। उन रेलवे ट्रैक्स की मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर किया गया है। जिसके बाद वहां, ट्रेनों का आवागमन पूरी तरह से हो रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई रेलवे परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें नई रेलवे लाइनों का निर्माण, लाइनों का दोहरीकरण, स्टेशन विकास, विद्युतीकरण शामिल है। इन परियोजनाओं को 1.15 लाख करोड़ से अंजाम दिया जा रहा है।

महाठग ने बताया, जेल में पिटाई हुई, प्राइवेट पार्ट में आई चोट

सुकेश ने फिर लिखा खत, दूसरी जेल में शिफ्ट करने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को एक और चिट्ठी लिखी है। सुकेश ने उसे और अपनी पत्नी को दिल्ली के बाहर किसी और जेल में शिफ्ट करने की मांग की है। सुकेश ने आरोप लगाया है कि उसके द्वारा आम आदमी पार्टी के नेताओं पर आरोप लगाए जाने के बाद उसे लगातार धमकियां मिल रही हैं तथा उस पर दबाव मनाया जा रहा है। एलजी को लिखी चिट्ठी में सुकेश ने यह भी आरोप लगाया है कि उसे जेल के अंदर सीआरपीएफ के जवान प्रताड़ित कर रहे हैं।

ठग सुकेश ने अपने वकील के माध्यम से लिखे गये खत में कहा है कि वो मंडोली जेल में फिलहाल एक अंडर ट्रायल कैदी है। उसकी पत्नी भी इसी जेल में बंद है। सुकेश चंद्रशेखर ने कहा है कि सत्येंद्र जैन, अरविंद केजरीवाल और कैलाश गहलोत जैसे आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के खिलाफ शिकायत करने के बाद से मुझे लगातार धमकियां मिल रही हैं। मैंने आर्थिक अपराध शाखा और प्रवर्तन निदेशालय के सामने जो शिकायत दर्ज करवाई है उसे वापस लेने का दबाव लगातार बनाया जा रहा है।

उपराज्यपाल को लिखा है तीसरा पत्र

महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को तीसरा पत्र लिखा है। इसमें उसने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और जेल डीजी संदीप गोयल से अपनी जान को खतरा बताया है। उसका आरोप है कि जैन और गोयल की तरफ से उसे लगातार धमकी मिल रही है। अपने तीसरे पत्र में सुकेश ने सत्येंद्र जैन और संदीप गोयल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही पूरे मामले की सीबीआई जांच कराए जाने की मांग की है। इससे पहले के पत्र में उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछा था कि अगर मैं सबसे बड़ा ठग हूं तो फिर आपने मुझसे 50 करोड़ रुपए क्यों लिए थे? आपने मुझे और कारोबारियों को पार्टी के साथ जोड़कर 500 करोड़ रुपए जुटाने के लिए क्यों कहा था? मुझे कर्नाटक में पार्टी में बड़ा पद देने का ऑफर क्यों दिया जा रहा था?

पत्नी को भी लगातार मिल रही है धमकी

ठग सुकेश चंद्रशेखर ने यह कहा है कि उनकी पत्नी को भी लगातार धमकी मिल रही है। इसके अलावा जेल के वरिष्ठ अफसर उन्हें गालियां देते हैं और कहते हैं कि वो अपनी पति को इस बात के लिए राजी करे कि वो अपने आरोप वापस ले लें। सुकेश चंद्रशेखर ने मांग की है कि इन हालातों को देखते हुए उसे और उसकी पत्नी को दिल्ली की जेल से हटाकर देश के अन्य किसी भी जेल में बेज दिया जाए। सुकेश चंद्रशेखर ने आरोप लगाया है कि हाल ही में 31 अगस्त जेल के अंदर सीआरपीएफ अफसरों ने उनसे मारपीट की है। इसकी वजह से उनके प्राइवेट पार्ट में चोट आई है। सुकेश का दावा है कि उनका इलाज भी आरएमएल अस्पताल और जीटीबी अस्पताल में चला था।

सुकेश चंद्रशेखर पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में

सुकेश चंद्रशेखर पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में है। उसने दिल्ली के उपराज्यपाल को एक के बाद एक कई चिट्ठियां लिख कर आम आदमी पार्टी के नेताओं पर अब तक कई गंभीर लगाए हैं। सबसे पहले जो चिट्ठी सुकेश ने एलजी को लिखी थी उसमें आरोप लगाया था कि केजरीवाल सरकार के जेल मंत्री सत्येंद्र जैन ने तिहाड़ में उससे प्रोटेक्शन मनी के तौर पर 10 करोड़ रुपए वसूले हैं। इसके अलावा उसने यह भी आरोप लगाया था कि राज्यसभा का टिकट दिलाने के नाम पर उससे 50 करोड़ रुपए लिए गए हैं।

यूएस वीजा चाहने वाले भारतीयों के लिए गुड न्यूज

अमेरिका ने उठाया कदम, वेटिंग पीरियड बहुत जल्द होगा नॉर्मल

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी वीजा की चाहत रखने वाले भारतीयों के लिए खुशखबरी है। एक तरफ जहां वीजा के लिए वेटिंग पीरियड कम किया जा रहा है। वहीं, एक लाख नए वीजा स्लॉट भी खोले गए हैं। इस दिशा में कुछ अहम कदम उठाए जा चुके हैं और नियमों में बदलाव किए गए हैं। इसके अलावा एच और एल वर्क वीजा के लिए 100,000 स्लॉट भी खोले गए हैं। अमेरिकी एंबेसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी है। इस साल अमेरिका ने भारतीय छात्रों को 82,000 स्टूडेंट वीजा जारी किया है। इसके बाद अगली प्राथमिकता अन्य वीजा से जुड़े वेटिंग पीरियड को खत्म करनी है। इनमें एच और एच कैटेगरी के अनिवासी वर्क वीजा के साथ प्रतिष्ठित एच-1बी वीजा, बी-1 बिजनेस वीजा, बी-2 टूरिज्म वीजा और शिपिंग व एयरलाइंस कंपनियों के क्रू के लिए वीजा भी शामिल हैं।

पहले क्लियर होगी पेंडेंसी

अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका शुरुआत में इन श्रेणियों में अप्लाई करने वालों पर आक्रामक ढंग से फोकस करेगा। इसके लिए ड्रॉप बॉक्स सुविधा का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा फर्स्ट टाइम अप्लाई करने वालों से पहले उन्हें तरजीह दी जाएगी उन्हें पहले वीजा दिया जा चुका है। इंटरव्यू क्लियर करने वाले सभी लोगों को वीजा जारी किया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक कोशिश हो रही है कि वेटिंग पीरियड जितना हो सके कम किया जाए। साल 2023 के जून-जुलाई तक इस लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश रहेगी। इसके अलावा प्राथमिकता अमेरिका में मौजूद एच-1बी वीजा होल्डर भारतीयों को दी जाएगी, जो परिवार से मिलने के लिए देश आना चाहते हैं। इसके बाद पहली बार अप्लाई करने वालों पर फोकस किया जाएगा।

बढ़ा रहे हैं कर्मचारी

अमेरिकी सरकार के अन्य विभागों से इतर, वीजा जारी करने वाला ब्यूरो ऑफ कॉन्सुलर अफेयर्स खुद से रेवेन्यू जेनरेट करता है। कोरोना के चलते वीजा ऑपरेशन और रेवेन्यू में कमी आई है, इस वजह से विभाग में कर्मचारियों की संख्या भी कम करनी पड़ी थी। इसलिए भारत समेत अन्य देशों से वीजा अप्लीकेशन में इजाफा होने के बाद यह विभाग अपने यहां कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोत्तरी करेगा। अधिकारी ने बताया कि विदेशों में विभाग के कर्मचारियों की संख्या में इजाफा होने में थोड़ा वक्त लगेगा। भारत में गर्मियों तक स्टाफ 100 परसेंट हो जाएगा। अमेरिका भी इस कोशिश में लगा हुआ है। इसके लिए अस्थायी कर्मचारियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही भारतीयों के अप्लीकेशंस को प्रोसेसिंग के लिए रिमोट लोकेशंस पर भेजा जा रहा है, खासतौर पर उनके जो ड्रॉप बॉक्स फैसिलिटी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

हरियाणा के राज्यपाल ने किया एनयूजे की मुहिम का समर्थन

हैदराबाद। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) की फेक न्यूज के खिलाफ मुहिम को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पूरा समर्थन दिया है। एनयूजे इंडिया से संबद्ध तेलगांना जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के चौथे द्विवार्षिक अधिवेशन में बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि पत्रकारों को समाचारों के जरिए जनता के सामने सच लाना चाहिए। फेक न्यूज से समाज पर विपरीत असर पड़ता है। हालांकि सत्य उजागर करने पर कभी -कभी कठिनाइयों को सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में डरने की आवश्यकता नहीं है।

बंडारू दत्तात्रेय ने टीजेए के उर्दू मुस्कान खिलवत में आयोजित अधिवेशन में पत्रकारों की समस्याओं का सुलझाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हितों के लिए वे लंबे समय से कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज मीडिया में न्यूज की बजाय व्यूज ज्यादा दिखाया जा रहा है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स से संबद्ध एनयूजे इंडिया के अध्यक्ष ने कहा कि फेक न्यूज के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान छेड़ा जाएगा। मीडिया की गिरती साख को बचाने पीत पत्रकारिता करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत है। एनयूजे उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने कहा कि सभी राज्यों में पत्रकारों को मान्यता दिलाने वाली समितियों का तुरंत गठन हो। उन्होंने पत्रकारों को रेल यात्रा में पहले मिलने वाली रियायत को तुरंत बहाल करने की मांग की।

राऊत का स्वागत

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत का गुरुवार को मुंबई के मातोश्री स्थित पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के आवास पर पहुंचने पर स्वागत किया गया।

केरल में राज्यपाल को यूनिवर्सिटी के चांसलर पद से हटाया

तिरूअनंतपुरम, (एजेंसी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को केरल कलामंडलम डीम्ड-टू-विश्वविद्यालय के चांसलर के पद से हटा दिया गया है। वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने गुरुवार को केरल कलामंडलम डीम्ड विश्वविद्यालय के नियमों में संशोधन कर दिया, जिससे राज्यपाल को कुलाधिपति पद से हटाया जा सके और अब इस पद पर कला एवं संस्कृति क्षेत्र के किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। केरल सरकार ने कहा था कि वह नहीं चाहती है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान राज्य में विश्वविद्यालयों के शीर्ष पद पर रहें। पिनराई विजयन नीत केरल सरकार ने कला और संस्कृति संबंधी डीम्ड विश्वविद्यालय के नियमों में संशोधन के लिए आदेश जारी किया।

शराब पीकर घंटों तक सोता रहा 24 हाथियों का झुंड

ढोल पीटकर उठाया गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओडिशा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां के एक जंगल में महुआ से बनी शराब पीकर 24 हाथियों का एक झुंड घंटों तक गहरी नींद सोता रहा। इसके बाद में वन विभाग के कर्मचारियों ने ढोल पीटकर उन्हें उठाया और फिर हाथियों का झुंड जंगल में चला गया।

यह मामला तब सामने आया जब पास गांव के रहने वाले लोग शराब बनाने जंगल में पहुंचे थे। उन लोगों ने देखा कि हाथियों का झुंड बड़े बर्तनों में रखे गए महुआ के फलों से भरे पानी को पी गया था। हाथियों ने बर्तनों को भी तोड़ दिया था। क्योंझर जिले के शिलीपाड़ा काजू जंगल के पास रहने वाले ग्रामीणों ने सुबह छह बजे देखा कि झुंड में 24 हाथी थे, जो कि किण्वन का पानी पीकर नशे में हो गए थे और गहरी नींद में सो रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने हाथियों के झुंड को जगाने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं उठे। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची वन की टीम ने हाथियों को जगाने ढोल पीटा, जिसके बाद उनकी नींद खुली और वो जंगल के अंदर चले गए। हालांकि, अधिकारियों को इस बात की जानकारी है कि किण्वित महुआ खाने या फिर उसका पानी पीने से हाथियों को नशा हुआ था या नहीं। उनका मानना है कि हाथियों का झुंड आराम कर रहा था। दूसरी ओर ग्रामीण हाथियों के नशे में होने की बात पर अड़े रहे।

कृषि मंत्री ने रबी उत्पादकता गोष्ठी का किया शुभारंभ

प्रयागराज (ब्यूरो)। कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में प्रयागराज, विंध्याचल, वाराणसी एवं चित्रकूट मंडल की संयुक्त मंडलीय रबी उत्पादकता समीक्षा गोष्ठी का आयोजन इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के प्रेक्षागृह में किया गया। गोष्ठी में कृषि मंत्री, उप्र सरकार मुख्य अतिथि थे। समीक्षा गोष्ठी में संबंधित विभागों के शासन स्तर के सचिव कृषि, निदेशक, कृषि, उद्यान, पशुपालनसहित चारों मंडलों के मंडलायुक्त, समस्त जिलाधिकारी, समस्त मुख्य विकास अधिकारी, मुख्यालय स्तर से निदेशक, कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा तथा कृषि एवं संवर्गीय विभागों के मंडलीय/जनपदीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया। विनोद कुमार, संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मंडल/उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि कृषि मंत्री एवं कृषि उत्पादन आयुक्त/अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उनके द्वारा गोष्ठी में रबी के लिए तैयारी तथा मंडलों में तैयार की गयी रणनीति की समीक्षा के साथ ही जनपदों के किसानों से फीडबैक लिया गया।

सियासत — मैनपुरी उपचुनाव : समाजवादी पार्टी ने रोचक बनाया मुकाबला

डिंपल को टिकट देकर खेला इमोशनल कार्ड

मैनपुरी, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन से रिक्त हुई मैनपुरी संसदीय सीट के उपचुनाव के लिए डिंपल यादव को उम्मीदवार बनाकर के इमोशनल कार्ड खेला है। इस बात को हर कोई भली भांति जानता है कि मैनपुरी संसदीय सीट पर एक लंबे अरसे से समाजवादी परिवार का कब्जा रहा है। मुलायम सिंह यादव का ही जलवा था कि भारतीय जनता पार्टी तमाम कोशिशों के बाद भी आज तक इस सीट पर कामयाबी हासिल नहीं कर पाई। मैनपुरी सपा का वह मजबूत किला है जहां उम्मीदवार कोई भी उतारा गया हो, लेकिन जीत हमेशा नेता जी की होती रही।

अब डिंपल यादव को समाजवादी पार्टी ने नेताजी के उत्तराधिकारी के रूप में उम्मीदवार बनाकर जनता के समक्ष पेश कर दिया है। अब जनता की जिम्मेदारी है कि वह नेता जी की तरह डिंपल यादव को जीत दिलाकर संसद की दहलीज तक पहुंचाएं। सैफई के प्रधान रामफल बाल्मीकि बताते हैं कि नेता जी की बहू को संसद तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। उन्हें उम्मीद है कि जैसे नेता जी मैनपुरी की जनता का ख्याल रखते थे, ठीक उसी तरह से डिंपल भी मैनपुरी की जनता का ख्याल रखेगी।

सपा में उत्साह

बेशक भाजपा इस बात का दावा करती हो कि डिंपल यादव परिवारवाद की परंपरा को आगे बढ़ा रही है, लेकिन सपा ऐसा नहीं मानती। सपा का कहना है कि डिंपल यादव के रूप में मैनपुरी की जनता को नेताजी मुलायम सिंह यादव का असल उत्तराधिकारी मिलने जा रहा है। सपा के स्थानीय नेता ऐसा मानकर चल रहे हैं कि टिकट देना पार्टी का काम होता है, लेकिन जनता वोट देकर कामयाबी दिलाने का काम करती है। सपा के किशनी विधायक इंजीनियर बृजेश कठेरिया बताते हैं कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डिंपल यादव को टिकट देकर के बहुत सही निर्णय लिया है।

पहले दिन ही एक्शन मे दिखे नए जीएम एनसीआर

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर मध्य रेलवे के नए महाप्रबंधक सतीश कुमार कामकाज संभालते ही एक्शन में आ गए हैं। प्रयागराज आगमन के पहले दिन ही दिन देर रात 10.30 बजे प्रयागराज जंक्शन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान श्री कुमार ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जायजा लेने के साथ ही यात्रियों एवं रेल कर्मियों से वार्ता की। उधर, एनसीआर मुख्यालय में बुधवार दिनभर बैठकों का दौर चला। महाप्रबंधक ने परियोजनाओं की समीक्षा की। मैकेनिकल विभाग के कार्यों को भी परखा।

सतीश कुमार का औचक निरीक्षण करने का उद्देश्य स्टेशन की वास्तविक स्थिति में यात्रियों को उपलब्ध व्यवस्थाओं को मूल रूप में परखना था। इस निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को विक्रय के लिए भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया।

सेमीफाइनल में टीम इंडिया की शर्मनाक हार

बटलर व हेल्स के दम पर इंग्लैंड शान से फाइनल में, भारत को दस विकेट से हराया

एडिलेड । टी20 विश्वकप में इंग्लैंड ने करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए टीम इंडिया को दस विकेट से शर्मनाक हार दी। सेमीफाइनल में मिली इस हार के साथ भारतीय टीम टी20 विश्वकप से विदा हो गई। इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स (86 नाबाद) और जॉस बटलर (80 नाबाद) के तूफानी अर्द्धशतकों ने गुरुवार को भारतीय गेंदबाजों को दिन में तारे दिखा दिए। अब इंग्लैंड का सामना फाइनल में पाकिस्तान से होगा। भारत ने इंग्लैंड को 169 रन का लक्ष्य दिया, जिसे बटलर-हेल्स की जोड़ी ने चार ओवर रहते हासिल कर लिया। पहले विकेट के लिये 170 रन की नाबाद साझेदारी में एलेक्स हेल्स ने 47 गेंदों पर चार चौकों और सात छक्कों की मदद से नाबाद 86 रन बनाये जबकि कप्तान बटलर ने 49 गेंदों पर नौ चौके और तीन छक्के लगाकर 80 रन की अजेय पारी खेली। हार्दिक पांड्या ने भारत को 168 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाने के लिये 33 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 63 रन की विस्फोटक पारी खेली थी, लेकिन बटलर-हेल्स की जोड़ी ने हार्दिक की मेहनत पर पानी फेर दिया। इंग्लैंड और पाकिस्तान दोनों मेलबर्न में रविवार को होने वाले फाइनल में दूसरी बार टी20 विश्व कप खिताब जीतने के लिये अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इंग्लैंड ने इससे पहले 2010 में यह खिताब जीता था जबकि टी20 विश्व कप 2016 के फाइनल में उन्हें वेस्ट इंडीज के हाथों हार मिली थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने 2009 में टी20 विश्व कप की ट्रॉफी उठाई थी और यह उनका दूसरा फाइनल है। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय विश्व कप 1992 का फाइनल भी इंग्लैंड में खेला गया था जहां इमरान खान की टीम ने इंग्लैंड को मात देकर ट्रॉफी उठाई थी। बटलर और हेल्स की जोड़ी ने 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विस्फोटक शुरुआत की। दोनों ने पावरप्ले में इंग्लैंड के लिये 63 रन जोड़े जबकि भारत इस दौरान एक विकेट के नुकसान पर 38 रन ही बना सका था।

राहुल-रोहित असफल, विराट की धीमी बैटिंग

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिये बुलाया और दूसरे ही ओवर में केएल राहुल को आउट कर दिया। वे 5 गेंद पर 5 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर जोस बटलर को कैच थमा बैठे। रोहित शर्मा ने कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिये 47 रन जोड़े लेकिन वह 28 गेंदों पर 27 रन ही बना सके। कोहली हालांकि 40 गेंदों पर एक छक्के और चार चौकों की मदद से 50 रन बनाकर 18वें ओवर में आउट हो गए। कोहली टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहली बार आउट हुए और उनका विकेट क्रिस जॉर्डन ने लिया। आदिल रशीद ने भारत की मुश्किलें बढ़ाते हुए रनगति पर लगाम लगाई और सूर्यकुमार यादव (14) का बहुमूल्य विकेट ले लिया। भारत ने 14 ओवर में सिर्फ 90 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे और उन्हें चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने के लिये विस्फोटक साझेदारी की जरूरत थी। कोहली और पांड्या ने भारत को वह साझेदारी देते हुए 40 गेंदों पर 61 रन जोड़े। इंग्लैंड के लिये जॉर्डन ने चार ओवर में 43 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिये।

जोश बटलर ने छक्का लगाकर इंग्लैंड को फाइनल में पहुंचाया

बटलर-हेल्स ने विस्फोटक शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलते हुए 11वें ओवर में 100 रन का आंकड़ा छुआ, जबकि 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर बटलर ने छक्का लगाकर इंग्लैंड को फाइनल में पहुंचाया।

कप्तान रोहित की आंसुओं में बही देशवासियों की उम्मीदें

रोहित ने कहा, हमने अच्छी गेंदबाजी नहीं की

सेमीफाइनल मुकाबला हारने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, जिस तरह का खेल हमने दिखाया है, उससे बहुत निराश हूं। हम पारी के अंत में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन हमारी बल्लेबाजी बिल्कुल भी धारदार नहीं रही। यह ऐसा विकेट नहीं है, जहां कोई टीम 16 ओवर में मैच जीत ले। गेंद से हमारा प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। सेमीफाइनल जैसे बड़े मैच में दबाव से निपटना आसान नहीं होता। हालांकि हमारे साथी खिलाड़ियों ने दबाव में आईपीएल में कई मैच खेले हैं। आप किसी को दबाव से निपटना नहीं सिखा सकते। जिस तरह से हमारी गेंदबाजी की शुरुआत हुई, उसे बिल्कुल भी आदर्श नहीं कहा जा सकता। रोहित ने कहा, हम शुरुआत में थोड़ा नर्वस जरूर थे लेकिन जीत का श्रेय इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों को देना होगा। उन्होंने निश्चित रूप से बहुत ही शानदार खेल दिखाया। हम सही दिशा में गेंदबाजी करना चाहते थे और इंग्लैंड के बल्लेबाजों को शॉट लगाने के कोई रूम नहीं देना चाहते थे लेकिन हम इसमें सफल नहीं हो पाए। हम कसी हुई गेंदबाजी नहीं कर पाए। हम आज अपनी रणनीति को सही ढंग से क्रियान्वित नहीं कर पाए। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा, आयरलैंड से मिली हार को पीछे भुलाते हुए हमने हर मैच में बेहतर प्रदर्शन किया। आज हमने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह बेहद रोमांचकारी रहा। फाइनल में पहुंचना निश्चित रूप से सुखद होता है। हम आक्रामक शुरुआत चाहते थे।

कप्तान रोहित की आंसुओं में बही देशवासियों की उम्मीदें

सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 10 विकेट की हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा निराश और मायूस नजर आए। मैच के बाद काफी देर तक रोहित ने कोच राहुल द्रविड़ के साथ बात की। इसके बाद रोहित अपने आंसू पोछते हुए भावुक हो गए। उन्हें कोच द्रविड़ ने संभाला। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली भी मैच के बाद निराश नजर आए। वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के 6 मैचों में 296 रन बनाए हैं।

रंग नहीं लाई पंत की कुर्बानी

आखिरी ओवर में क्रिस जॉर्डन की यॉर्कर को पंत टेकल नहीं कर पाए। उनका बैलेंस भी बिगड़ा। दूसरे छोर से हार्दिक आधी पिच से ज्यादा आगे निकल चुके थे। पंत क्रीज में गिर गए थे, लेकिन उन्हें मालूम था कि हार्दिक सेट एंड ऑन फायर हैं। उन्होंने नॉन स्ट्राइकर एंड की तरफद ौड़ लगा दी और वहां रन आउट हो गए।

हार के कारण

- केएल राहुल असफल रहे, रोहित शर्मा व विराट कोहली की धीमी बल्लेबाजी। कप्तान रोहित शर्मा ने 96 तो विराट कोहली ने 125 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। ऋषभ पंत भी 4 गेंद पर 6 रन ही बना सके। सूर्या भी असफल रहे।
- पावर प्ले में धीमी बल्लेबाजी, पावर प्ले के 6 ओवर में भारत ने एक विकेट गंवाया और 38 रन बनाए।
- भारतीय गेंदबाज पूरी तरह असफल रहे
- बटलर-हेल्स की दमदार बल्लेबाजी

टी20 विश्वकप की सबसे बड़ी साझेदारी

यह 170 नाबाद रन की टी20 विश्व कप की सबसे बड़ी साझेदारी है, जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा यह भारत के खिलाफ पहले विकेट के लिये सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने टी20 विश्व कप 2021 में 152 रन की अजेय साझेदारी करके पाकिस्तान को भारत पर जीत दिलाई थी।

एलेक्स हेल्स के बने 2000 रन

इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स भारत के खिलाफ 13 रन बनाते ही दो हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

भारत के नाम टी20 वर्ल्ड सेमीफाइनल इतिहास की सबसे बड़ी हार

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल इतिहास की सबसे बड़ी हार भारत के नाम दर्ज हो गई है। अब तक टी20 विश्व कप में कुल 16 सेमीफाइनल हुए हैं। इसमें यह हार-जीत किसी टीम की ये सबसे बड़ी हार या सबसे बड़ी जीत है। जीत-हार के लिहाज से यह मैच एक रिकॉर्ड बना है और एक की बराबरी हुई है। इंग्लैंड ने भारत को हराकर सेमीफाइनल में सबसे अधिक 10 विकेट से जीत का रिकॉर्ड बनाया है। साथ ही सबसे कम ओवर में जीत की बराबरी भी की है। टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने ही 2010 विश्वकप में 16 ओवर में श्रीलंका को हराया था।

स्कोर बोर्ड

भारतीय टीम	रन	गेंद	4/6
राहुल कै. बटलर बो. वोक्स	05	05	1/0
रोहित कै. करन बो. जॉर्डन	27	28	4/0
कोहली कै. रशीद बो. जॉर्डन	50	40	4/1
सूर्यकुमार कै. सॉल्ट बो. रशीद	14	10	1/1
हार्दिक हिट विकेट बो. जॉर्डन	63	33	4/5
पंत रनआउट बटलर-जॉर्डन	06	04	1/0
श्रेयस अय्यर कै. बटलर बो. टॉप्ली	28	23	0/2
अश्विन नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 3, कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन **विकेट पतन:** 1-9, 2-56, 3-75, 4-136, 5-158, 6-168, **गेंदबाजी:** स्टोक्स 2-0-18-0, वोक्स 3-0-24-1, करन 4-0-42-0, क्रिस जॉर्डन 4-0-43-3, लिविंगस्टोन 3-0-21-0, रशीद 4-0-20-1,

इंग्लैंड टीम	रन	गेंद	4/6
जॉस बटलर नाबाद	80	49	9/3
एलेक्स हेल्स नाबाद	86	47	4/7

अतिरिक्त: 4, कुल: 16 ओवर में 170 रन **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 2-0-25-0, अर्शदीप 2-0-15-0, अक्षर पटेल 4-0-30-0, शमी 3-0-39-0, अश्विन 2-0-27-0, हार्दिक 3-0-34-0

विकेट पर गिरे विराट कोहली : 16वें ओवर में क्रिस जॉर्डन की एक यॉर्कर को विराट कोहली मिड विकेट की तरफ खेलना चाहते थे। गेंद की रफ्तार 144 किलोमीटर प्रतिघंटे थी। कोहली का बैलेंस बिगड़ा और वो विकेट पर गिर पड़े। अंपायर ने नॉटआउट करार दिया लेकिन इंग्लिश टीम ने रिव्यू ले लिया। थर्ड अंपायर ने इसे अंपायर्स कॉल करार दिया और कोहली बच गए। इसके बाद विराट कोहली ने शानदार चौका जमाया था।

खराब बॉलिंग ने किया बेड़ा गर्क

भुवनेश्वर कुमार	2 ओवर	25 रन
अर्शदीप सिंह	2 ओवर	15 रन
अक्षर पटेल	4 ओवर	30 रन
मोहम्मद शमी	3 ओवर	39 रन
रविचंद्रन अश्विन	2 ओवर	27 रन
हार्दिक पंड्या	3 ओवर	34 रन

हार निराशाजनक, शर्मनाक नहीं : राहुल द्रविड

भारत के कोच राहुल द्रविड़ ने टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में गुरुवार को इंग्लैंड के हाथों मिली हार को निराशाजनक बताया, लेकिन उसे शर्मनाक हार कहने से परहेज किया। इंग्लैंड ने एडिलेड ओवल पर खेले गए सेमीफाइनल में भारत को 10 विकेट से रौंदा। संवाददाता सम्मेलन में जब द्रविड़ से पूछा गया कि क्या यह एक शर्मनाक हार है, तो उन्होंने कहा, शर्मनाक हार तो नहीं, लेकिन यह निराशाजनक है। द्रविड़ ने कहा, इंग्लैंड आज बेहतर टीम थी और उन्होंने हमसे बेहतर खेला। हमने गेंद को आगे टप्पा देने का प्रयास किया। यह एक योजना थी, लेकिन वह इसके खिलाफ सफल रहे। यहां गेंद उतनी स्विंग नहीं हुई जितनी ऑस्ट्रेलिया के अन्य हिस्सों में होती है। परिस्थितियां उनके हित में रहीं, और बटलर-हेल्स की साझेदारी शानदार थी। द्रविड़ ने कहा, मेरे अनुसार उन्होंने हम पर दबाव बनाया और मैच को कभी हाथ से निकलने नहीं दिया। जब हमारे गेंदबाज विकेट पर आए तब हमने सोचा कि हम मैच पर अपनी पकड़ बना सकते हैं। उन्होंने हमारे स्पिनरों पर काफी अच्छा प्रत्याक्रमण किया और उन पर दबाव बनाया। हम उन टीमों में से एक थे जो इन परिस्थितियों में भी 180 या उससे अधिक स्कोर बना रहे थे। मुझे लगता है कि हमने इस टूर्नामेंट में दो या तीन बार ऐसा किया था। हम अच्छा खेल रहे थे। शायद जब मैच शुरू हुआ, तो खिलाड़ी कह रहे थे कि विकेट थोड़ा धीमा था। इंग्लैंड ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। मुझे लगा कि वे वास्तव में सामने अच्छे थे। मुझे लगता है कि हमें उस विकेट पर 180 या 185 रन का स्कोर बनाना चाहिए था।

इंग्लैंड एडिलेड में टॉस जीतकर मैच जीतने वाली पहली टीम

यह एडिलेड में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले 2011 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 158 रन चेज किया था। एडिलेड में इस मैच से पहले 11 मुकाबले खेले गए थे और जो भी टीम यहां टॉस जीती थी, वह कभी नहीं जीत पाई थी। हालांकि, जोस बटलर एंड कंपनी ने यह इतिहास भी बदल दिया। वह ऐसे पहले कप्तान हैं, जिसने एडिलेड में टॉस जीतने के बाद भी मैच अपने नाम किया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में बिना विकेट गंवाए तीसरी सबसे बड़ी जीत है। वहीं, इंग्लैंड के लिए यह बिना विकेट गंवाए सबसे बड़ी जीत है। बिना विकेट गंवाए सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम है। उसने कराची में इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ 203 रन चेज किए थे। दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड है।

अहम मुकाबले में खली बुमराह की कमी

भारत के मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी टी20 विश्वकप सेमीफाइनल मुकाबले में देखने को मिली। गौरतलब है कि बुमराह चोट के चलते विश्वकप से बाहर रहे। कायस लगाए जा रहे हैं कि शायद बुमराह होते तो इंग्लैंड के बल्लेबाजों को आउट कर भारत को शुरुआती सफलता दिला सकते थे।

बड़े मैच में भारतीय खिलाड़ी रहे हैं कागजी शेर

2014	टी20 विश्वकप फाइनल में ढेर
2015	वनडे विश्वकप सेमीफाइनल हारे
2016	टी20 विश्वकप सेमीफाइनल गंवाया
2017	चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हारे
2019	विश्वकप के सेमीफाइनल में मिली हार
2021	टेस्ट चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल हारे
2022	टी20 विश्वकप सेमीफाइनल हारे

भाजपा अध्यक्ष को संदीप पटेल ने भेंट स्मारिका

भोपाल । कमल युवा खेल महोत्सव 2021-22 की स्मारिका भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णु दत्त शर्मा को कमल स्पोर्ट्स क्लब एवं जिला ओलंपिक संघ हरदा के अध्यक्ष संदीप पटेल ने भेंट की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निवास पर कैबिनेट मंत्री पंडित गोपाल भार्गव भी मौजूद थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने स्मारिका का अवलोकन करने के उपरांत कमल युवा खेल महोत्सव की आयोजन समिति के संयोजक संदीप पटेल को बधाई देते हुए कहा मोदी सरकार ने देश में वर्षों बाद शिक्षा नीति में तो बदलाव किया ही, साथ में शिक्षा के साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को जोड़ने का प्रयत्न किया है। युवा संदीप पटेल ने हरदा में कमल युवा खेल महोत्सव का आयोजन कर एक बहुत अच्छी शुरुआत की है। मध्य प्रदेश के खेल इतिहास में यह आयोजन एक मील का पत्थर साबित होगा।

कुछ खिलाड़ी लेंगे संन्यास

सुनील गावस्कर ने हार्दिक पंड्या के कप्तान बनने की भविष्यवाणी की

नई दिल्ली । महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को उम्मीद है कि भारत के गुरुवार को टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों मिली 10 विकेट की शर्मनाक हार के बाद कुछ सीनियर खिलाड़ी संन्यास की घोषणा कर देंगे। गावस्कर को यह भी लगता है कि रोहित शर्मा के कप्तानी छोड़ने के बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या यह जिम्मेदारी संभालेंगे। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, इंडियन प्रीमियर लीग में पहली बार कप्तान की जिम्मेदारी संभालने पर अपनी टीम को जीत दिलाने के बाद उन्होंने हार्दिक पंड्या को अगले कप्तान के रूप में तय कर दिया होगा। उन्होंने कहा, हार्दिक पंड्या निश्चित रूप से भविष्य में टीम की कमान संभालेंगे और कुछ खिलाड़ी संन्यास भी लेंगे, आप कुछ नहीं कह सकते। खिलाड़ी इस पर काफी विचार कर रहे होंगे। कुछ खिलाड़ी 30 से 40 साल के बीच हैं जो भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में अपने स्थान के बारे में फिर विचार कर रहे होंगे। विराट कोहली इस वर्ल्ड कप में टीम के सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन सीनियर खिलाड़ी जैसे कप्तान रोहित शर्मा, रविचंद्रन अश्विन और दिनेश कार्तिक के लिए यह टूर्नामेंट निराशाजनक रहा जिनकी उम्र 30 से 40 साल के बीच हैं। भारत के पूर्व स्पिनर सरनदीप सिंह ने कहा कि अमेरिका महाद्वीप में 2024 टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की योजना के तहत कुछ कड़े फैसले करने होंगे।

मैरी कॉम को भा गई जेटशेन लामा की आवाज

मुंबई। विश्व प्रसिद्ध बॉक्सर मैरी कॉम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जी टीवी के सारेगामापा लिटिल चैप्स की सिक्किम की कंटेस्टेंट 9 वर्षीय जेटशेन लामा की एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनकी तारीफ में एक दिल छू लेने वाला कैप्शन लिखा है। मैरी कॉम ने इस पोस्ट में लिखा, आप बहुत प्यारी हैं जेटशेन लामा। आगे बढ़ते रहें, आपकी आवाज बहुत बढ़िया है। जहां मैरी कॉम का यह प्यारा अंदाज सभी के दिलों को छू जाएगा, वहीं आप भी थोड़ा इंतजार कीजिए और इन सभी कंटेस्टेंट्स की सुरीली परफॉर्मेंस का मजा लीजिए। सारेगामापा लिटिल चैप्स, हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे, सिर्फ जी टीवी पर प्रसारित है। जी टीवी के सारेगामापा लिटिल चैप्स के 9वें सीजन में शंकर महादेवन, अनु मलिक और नीति मोहन जैसे जजों का नया पैनल पेश किया गया है।

सेमीफाइनल में हार के साथ ही टीम इंडिया पर उठने लगे कई सवाल, रोहित शर्मा की भी हो रही आलोचना

टी20 विश्व कप के एक अहम नॉकआउट मुकाबले में भारतीय टीम की हार हुई है। इसके साथ ही टीम इंडिया का विश्व कप जीतने का सपना चकनाचूर हो गया है। इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया की हार पूरी तरीके से शर्मनाक रही। यही कारण है कि हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने भी कहा कि हमने प्रदर्शन अच्छा नहीं किया। उन्होंने कहा कि नतीजा बेहद निराशाजनक रहा। हमेशा दबाव में अच्छा खेलना होता है। इसके साथ ही इंग्लैंड की जीत का श्रेय उन्होंने जॉस बटलर और एलेक्स हेल्स को दिया। लेकिन टीम इंडिया की हार के बाद से अब कई सवाल भी उठने लगे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सारी सुविधाओं से लैस होने के बावजूद भी टीम इंडिया बड़े मुकाबलों में जीत हासिल क्यों नहीं कर पाती?

सवाल यह भी है कि 2019 के एकदिवसीय विश्वकप के सेमीफाइनल में मिली हार से टीम इंडिया ने सबक क्यों नहीं लिया? सेमीफाइनल के लिए टीम इंडिया ने अच्छी तैयारी क्यों नहीं की थी? इस विश्व कप में कप्तान रोहित शर्मा भी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। उनका बल्ला भी खामोश रहा। साथ ही साथ उनकी कप्तानी भी कुछ खास नहीं रही। आलोचना अब भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ की भी हो रही है। साथ ही साथ टीम मैनेजमेंट की भी हो रही है। सवाल ये भी उठाए जा रहे हैं कि आखिर टीम में बदलाव नहीं करने की जिद क्यों थी? आर अश्विन और अक्षर पटेल लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे थे। बावजूद इसके उन्हें टीम में क्यों जगह दी गई थी? आखिर टीम में बदलाव नहीं करने की जिद पर रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ क्यों अड़े रहे? बड़ी टीमों के खिलाफ उपकप्तान केएल राहुल का प्रदर्शन अभी भी कुछ खास नहीं है। ऐसे में सवाल यह है कि बड़ी टीमों के साथ बड़ी पारी खेल राहुल कब खेलेंगे? छोटी टीमों के साथ उनकी छोटी पारी की बदौलत टीम में क्यों रखा जा रहा है? कुल मिलाकर देखें तो टीम इंडिया के हार के बाद अब आलोचनाओं का दौर शुरू हो गया है। इस टी20 विश्व कप से टीम इंडिया ने 2 चीजें हासिल की है। वह विराट कोहली का फॉर्म और सूर्यकुमार यादव का लगातार शानदार प्रदर्शन। स्टार बल्लेबाजों के बल्ले ऐन मौके पर खामोश रहे, गेंदबाजों को लय नहीं मिल सकी और आईसीसी टूर्नामेंटों में बड़े मैच हारने का भारत का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली दस विकेट से हार ने भारतीय टीम का 11 साल बाद आईसीसी खिताब जीतने का सपना और दुनिया भर में करोड़ों भारतीयों का दिल भी तोड़ दिया।

महिला टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका व वेस्टइंडीज से होगा मुकाबला

टी20 ट्राई सीरीज खेलेगी भारतीय महिला टीम

नई दिल्ली। अगले साल फरवरी में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 के लिए अपनी तैयारी के अंतिम चरण के हिस्से के रूप में 19 जनवरी से 2 फरवरी तक भारत पूर्वी लंदन में प्रोटियाज और 2016 चैंपियन वेस्टइंडीज के साथ टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेगा।

सभी मैच बफेलो पार्क क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे, जिसमें तीन टीमों के बीच कड़े मुकाबले की श्रृंखला होगी। वे केप टाउन, पार्ल और गकेबेरा में 10 से 26 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले तीन टीमों के लिए महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में जगह बनाने के लिए प्रत्येक टीम के खिलाफ दो टी20 मुकाबले खेलेंगे। उन्होंने कहा, 2023 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका पर एकजुट होने के लिए क्रिकेट जगत के साथ हम मुख्य कोच हिल्टन मोरेंग के रूप में भारत और वेस्टइंडीज का स्वागत करते हैं और टीम फरवरी में वैश्विक इवेंट के लिए अपनी तैयारी पूरी करेगी। ग्रुप ए में दक्षिण अफ्रीका के टी20 विश्व कप में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ-साथ बांग्लादेश और पांच बार के चैंपियन आस्ट्रेलिया शामिल हैं। भारत 2020 टी20 विश्व कप उपविजेता और वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, पाकिस्तान और आयरलैंड के साथ प्रतियोगिता के ग्रुप बी में हैं।

पब्लिक स्पीकिंग के दौरान इन बातों का रखें खास ध्यान

आप स्टूडेंट हो या भले ही किसी भी ऑफिस में काम करते हो जीवन के हर क्षेत्र में आपको पब्लिक स्पीकिंग का सामना तो करना पड़ता ही हैं। पर बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो पब्लिक स्पीकिंग से काफी डरते हैं। जाने कुछ ऐसे बेहतरीन टिप्स जिन्हे अपना कर आप अपना पब्लिक स्पीकिंग का डर बिलकुल खत्म कर सकते हैं।

-आपको जो भी पब्लिकली बोलना हैं पहले आप उसकी तैयारी करें। इससे आपमें कॉन्फिडेंस आएगा और नेगेटिविटी भी दूर होगी। आप अपने विषय के बारे में जितना अधिक स्टडी करेंगे आपका कॉन्फिडेंस लेवल भी उतना ही बढ़ेगा और आप कॉन्फिडेंस के साथ पब्लिक स्पीकिंग कर पाएंगे।

-आप जो भी कंटेंट तैयार करें इस बात का जरूर ध्यान दे की उसकी भाषा काफी सरल होनी चाहिए जोकि सुनने वालो को अच्छी लगें और उन्हें बोरियत न हो। आपको इस बात का भी खास ध्यान रखना चाहिए की आपके कंटेंट की स्टार्टिंग प्रभावशाली होनी चाहिए क्योंकी शुरुआत में लोग आपको अधिक ध्यान से सुनते हैं।

-जब भी आप प्रेजेंटेशन दे तो आप सिंपल प्रेजेंटेशन का ही उसे न करे आप इन्फोग्राफिक, बुलेट्स व नंबर्ड लिस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी प्रेजेंटेशन काफी बेहतर लगेगी।

-पब्लिकली बोलते समय आपको अपने बॉडी लैंग्वेज पर भी ध्यान रखना चाहिए क्योकि यदि आप नर्वस होंगे तो यह बात भी साफ दिखाए देगी। इसलिए कुछ ऐसा न करे जिससे आपके कॉन्फिडेंस में कमी दिखाई दे।

-प्रेजेंटेशन के दौरान आप श्रोताओ से बातचीत भी करें इससे उन्हें आपके प्रेजेंटेशन की तरफ इंट्रेस्ट बढ़ेगा। ●

ऑनलाइन इंटरव्यू देते समय रखें इन बातों का ख्याल

कोरोना काल के बाद से ऑनलाइन इंटरव्यू का ट्रेंड बढ़ गया है। हालात में सुधार होने के बावजूद कई कंपनियां अभी भी सही कैंडिडेट का चयन ऑनलाइन इंटरव्यू के जरिए ही कर रही हैं। इससे कंपनी और एंप्लॉई, दोनों को ही फायदा रहता है।

इंटरव्यू चाहे आमने-सामने बैठकर हो रहा हो या ऑनलाइन मोड में, दोनों में ही सवाल एक जैसे पूछे जाते हैं, लेकिन चूंकि ऑनलाइन इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट नया है तो कई कैंडिडेट्स इसमें सहज महसूस नहीं करते हैं। अगर आप भी नौकरी के लिए ऑनलाइन इंटरव्यू की तैयारी कर रहे हैं तो ये टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं।

ड्रेसअप का भी रखें ध्यान

इंटरव्यू ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, उम्मीदवार के कपड़े हमेशा मायने रखते हैं। इंटरव्यू देते वक्त हमेशा प्रोफेशनल ड्रेस पहनें। ध्यान रखें कि कपड़े साफ-सुथरे हों. इससे आपका लुक स्मार्ट नजर आएगा और पैनल के सामने इंप्रेशन भी अच्छा जमेगा। आपका मेकअप भी टु द पॉइंट होना चाहिए। आप कहीं से भी ओवर ड्रेसेड या अंडर ड्रेसेड नहीं लगने चाहिए।

सही लोकेशन चुनें

ऑनलाइन इंटरव्यू हमेशा ऐसी जगह पर दें, जहां लाइट की ज्यादा प्रॉब्लम न हो। आप जहां भी बैठे हों, वहां अंधेरा नहीं होना चाहिए, आपके सिर के ठीक ऊपर कोई लाइट नहीं होनी चाहिए, कैमरा में आपका चेहरा अच्छी तरह से दिखाई देना चाहिए और शोर बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही अपने बैकग्राउंड का भी ख्याल रखें। इससे बेहतर इंप्रेशन पड़ेगा।

चेक करें इंटरनेट कनेक्शन

ऑनलाइन इंटरव्यू देते समय सबसे जरूरी बात है कि

इंटरनेट कनेक्शन अच्छा होना चाहिए। उस दौरान बार-बार नेटवर्क इश्यू नहीं होना चाहिए। अगर इंटरनेट स्पीड अच्छी होगी तो इंटरव्यू देते वक्त किसी भी तरह की समस्या नहीं आएगी और इंटरव्यूअर को भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही अपने लैपटॉप की बैटरी, कैमरा व माइक आदि की सेटिंग और बैटरी भी चेक कर लें। ●

इन टिप्सों के माध्यम से फिल्मों में बना सकते हैं बेहतर करियर

आपको अगर कहानी या स्क्रिप्ट लिखने का शौक है। या हिंदी सिनेमा जगत से प्यार है। तो आप अपनी इस कला और प्यार के बलबूते बॉलीवुड में अपना करियर भी बना सकते है। दरसल, देखा जाए तो आधुनिक युग में यह करियर के लिए बेहतर विकल्प हो सकता हैं।आप फिल्म मेकिंग का कोर्स कर करियर को

नई दिशा भी प्रदान कर सकते है। आइए, जानते हैं क्या होता है फिल्म मेकिंग और इसके लिए कौन से कोर्स हैं उपलब्ध।

फिल्म मेकिंग

किसी भी क्षेत्र में करियर बनाने से पहले अच्छी तरह से उसके बारे में जान ले। फिल्म मेकिंग एक कला है। फिल्म मेकिंग के लिए एक बेहतर स्क्रिप्ट का होना अति आवश्यक है। फिल्म मेकिंग स्क्रिप्ट के आधार पर तैयार की जाती है। इसमें चरित्र होते हैं, एक कहानी होती है, हर कहानी की एक भाषा होती है। फिल्म में कई दृश्य होते हैं, ध्वनियों का दृश्यों के साथ मिलान होता है, स्पेशल इफेक्ट्स होते हैं और गीत-संगीत होता है। अर्थात एक फुल एंटरटेनमेंट का डोज।

फिल्म मेकिंग की योग्यता

वर्तमान में किसी भी क्षेत्र में बेहतर करियर निर्माण के लिए शैक्षणिक योग्यता भी अत्यंत आवश्यक है। इसमें पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी उपलब्ध हैं। और ग्रेजुएशन स्तर पर भी अलग-अलग संस्थान कोर्स कराते हैं। अगर बैचलर कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं, तो आपका बारहवीं पास होना जरूरी है। वही पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए 40 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएट की डिग्री होना अनिवार्य है।

अवसरों की भरमार

फिल्म मेकिंग का कोर्स करने के बाद आपके पास 1 या 2 नहीं बल्कि ढेरों विकल्प मौजूद हैं। जिनमें ये विकल्प मुख्य रूप से शामिल है। स्क्रीनप्ले, निर्देशन, सिनेमेटोग्राफी, संगीत,कोरियोग्राफी, और वीडियोग्राफी इत्यादि।

यह हैं कोर्स...

- पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन सिनेमा
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डायरेक्शन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सिनेमेटोग्राफी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साउंड रिकार्डिंग एंड साउंड डिजाइन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडिटिंग
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन आर्ट डायरेक्शन एंड प्रोडक्शन डिजाइन
- सर्टिफिकेट कोर्स इन स्क्रीनप्ले राइटिंग
- बैचलर ऑफ फिल्म टेक्नोलॉजीआदि।
- डिप्लोमा इन वीडियो प्रोडक्शन ●

बिना खेले भी क्रिकेट की दुनिया में बना सकते हैं बेहतरीन करियर

आज का क्रिकेट जगत ग्लैमर से भरा हुआ है। भारत में इसकी पॉपुलैरिटी अन्य खेलों से बहुत ज्यादा है। लोग प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने के लिए क्लब से लेकर कोचिंग क्लासेस तक ज्वाइन करते हैं। हालांकि, यदि क्रिकेट जगत में करियर की बात की जाए, तो एक ऐसा भी विकल्प है, जहां बगैर खेल ही प्रवेश प्राप्त हो सकता है। हम बात कर रहे हैं, फिजियो की। इस पद पर रहने वाले शख्स को करोड़ों का पैकेज प्राप्त होता है।

फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में

फिजियोथेरेपिस्ट या शॉर्टफॉर्म कहें, तो फिजियो बनने के लिए 12वीं से ही फोकस करना होता है। 12वीं किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान या बोर्ड से साइंस स्ट्रीम में उत्तीर्ण होना चाहिए। तत्पश्चात, विद्यार्थी फिजियोथेरेपी के सेक्टर में दो सालों का डिप्लोमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त फिजियोथेरेपी में बैचलर्स डिग्री एवं संबंधित स्पेशियलाजेशन में मास्टर्स डिग्री भी मौजूद है।

फिजियो बनने के लिए क्या करना होता है?

इसके लिए कुछ खास काम नहीं करना होता है। इसके लिए एक्सपीरियंस की जरुरत होती है। बात यदि BCCI की करें, तो जब आवश्यकता होती है, तो आवेदन मांगे जाते हैं। इसमें लंबा-चौड़ा एक्सपीरियंस मांगा जाता है। तत्पश्चात, वर्किंग कमेटी की मीटिंग होती है। इंटरव्यू होता है तथा फिर किसी एक को इस पद के लिए चयन किया जाता है। इसके अतिरिक्त और कहां मिलती है नौकरी? फिजियोथेरेपिस्ट की आवश्यकता केवल क्रिकेट या खेल के क्षेत्र में ही नहीं है। सरकारी नौकरी में भी बड़ा मौका है। किसी भी सरकारी अस्पताल या संस्थान या संबंधित किसी भी संगठन में फिजियोथेरेपिस्ट का पद सी के लेवल पर नियुक्ति होती है। इसमें चार भिन्न-भिन्न विभाग होते हैं- आर्थोपेडिक्स, न्यूरो, कार्डियो एवं फिजियो। इसके लिए भी आवेदन मांगे जाते हैं। लिखित परीक्षा होती चयन किया जाता है। ●

NEET के बिना भी मिल सकता है इतने मेडिकल कोर्सेज में एडमिशन

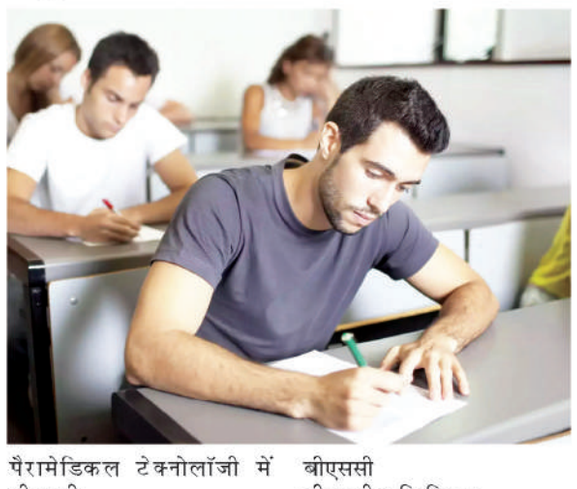

भारत में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए NEET पास करना होता है। क्या आपको पता है कि मेडिकल और पैरामेडिकल से जुड़े कुछ कोर्सेज ऐसे भी हैं जिनमें एडमिशन के लिए नीट क्वालिफाई नहीं करना होता है। नीट के बिना मेडिकल कोर्सेज उन छात्रों के लिए अच्छा ऑप्शन हैं, जो NEET क्वालीफाई नहीं कर पाते लेकिन MBBS / BDS करना चाहते. NEET के बिना मेडिकल कोर्सेज में बीएससी नर्सिंग, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी, बैचलर ऑफ फार्मेसी, बीएससी साइकोलॉजी, बीएससी बायोमेडिकल साइंस के अलावा भी बहुत से कोर्स शामिल हैं।

NEET के बिना मेडिकल कोर्सेज

ऑक्यूपेशनल थैरेपी में ग्रेजुएशन
बीएससी माइक्रोबायोलॉजी
मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन कोर्स
बीएससी कार्डियोलॉजी/बीएससी कार्डिएक टेक्नोलॉजी
पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी में बीएससी
बीएससी ऑडियोलॉजी / ऑडियोलॉजी या स्पीच थैरेपी में ग्रेजुएशन
मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी में बीएससी
बीएससी कृषि विज्ञान
नेचुरोपैथी और योगिक विज्ञान में ग्रेजुएशन (बीएनवाईएस)
बायोटेक्नोलॉजी में बीएससी
बायोकेमेस्ट्री में बीएससी
बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में टेक्नोलजी में ग्रेजुएशन
माइक्रोबायोलॉजी में बीएससी(नॉन क्लिनिकल)
कार्डिएक टेक्नोलॉजी में बीएससी
कार्डियोवैस्कुलर टेक्नोलॉजी में बीएससी
परफ्यूजन टेक्नोलॉजी में ग्रेजुएशन
कार्डियो-पल्मोनरी परफ्यूजन टेक्नोलॉजी में बीएससी
बैचलर ऑफ रेस्पिरेटरी थैरेपी
पोषण और आहार में बीएससी
जेनेटिक्स में बीएससी

NEET के बिना मेडिकल कोर्सेज के लिए योग्यता

किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से छात्र 10+2 पास होने चाहिए और 10+2 में उनके कम-से-कम 50 फीसदी नंबर होने चाहिए।

10वीं के बाद साइंस होनी जरुरी है, ●

आई आई एम ने जारी किया कैट 2022 मॉक टेस्ट ऐसे करें प्रैक्टिस

देश के टॉप मैनेजमेंट कॉलेज भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी IIM में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा कैट 27 नवंबर 2022 को होने वाली है। आईआईएम द्वारा CAT 2022 एग्जाम का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा का एडमिट कार्ड भी जारी किया जा चुका है।

अब आईआईएम एडमिशन एंट्रेंस एग्जाम यानी कैट की तैयारी के लिए CAT Mock Test भी ऑनलाइन जारी कर दिया गया है। कैट 2022 मॉक टेस्ट का लिंक ऑफिशियल वेबसाइट iimcat.ac.in पर एक्टिव किया गया है।

आप IIM CAT की वेबसाइट पर जाकर कैट एग्जाम मॉक टेस्ट प्रैक्टिस कर सकते हैं। इसके लिए कोई फीस नहीं देनी होगी।

कैसे करें प्रैक्टिस?

आईआईएम कैट की ऑफिशियल वेबसाइट iimcat.ac.in पर जाएं।

होम पेज पर नीचे की तरह स्क्रॉल करें, आपको CAT 2022 Mock Test Link मिलेगा। उसे क्लिक करें।

पीडीएफ फॉर्मेट में एक नोटिस ओपन होगा। इसमें तीन तरह के लिंक दिए गए हैं। एक सामान्य कैंडिडेट्स के लिए, दूसरा ऐसे दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए जो देखने में असमर्थ हैं और तीसरा अन्य दिव्यांग कैंडिडेट्स के लिए।

आप जिस कैटेगरी में एग्जाम देने वाले हैं, उससे संबंधित मॉक टेस्ट के लिंक को क्लिक करें।

लॉगिन करके प्रैक्टिस शुरू करें। अगर आप इसके जरिए टेस्ट प्रैक्टिस करने में असमर्थ हैं, तो नीचे दिया गया दूसरा तरीका अपनाएं-

कैट की वेबसाइट पर जाएं।

कैंडिडेट लॉगिन बॉक्स में अपना रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड भरकर साइन इन करें।

लॉगिन होने के बाद F11 बटन दबाएं और जेनरल इंस्ट्रक्शन पढ़ें।

इसके बाद Next बटन दबाकर अगले पेज पर जाएं। वहां अन्य जरूरी दिशानिर्देश मिलेंगे। उन्हें पढ़ने के बाद पेज के अंत में डिस्क्लेमर के बगल में दिए गए बॉक्स को मार्क करें।

IIM CAT 2022 के लिए रजिस्ट्रेशन 3 अगस्त से शुरू हुए थे। 21 सितंबर तक अप्लाई करने का समय दिया गया था। कैट एडमिट कार्ड 2022 डाउनलोड करने का लिंक 27 अक्टूबर को एक्टिव किया गया। प्रवेश पत्र आने के ठीक एक महीने बाद 27 नवंबर को एग्जाम का आयोजन होने वाला है। ●

GENERAL KNOWLEDGE

-मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग का मुख्यालय कहां स्थित है?
-मध्य प्रदेश की कौन सी नदी सर्वाधिक मृदा अपरदन करती है?
-मध्यप्रदेश में पगल्या किस अंचल की लोकचित्र कला है?
-क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा जिला कौन सा है ?
-मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा अभ्यारण्य कौन सा है?
- जबलपुर को किस और नाम से जाना जाता था?

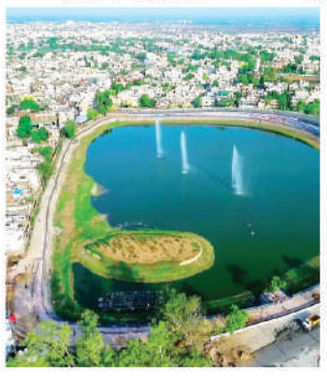

-निरगुड़िया गायन शैली मध्य प्रदेश के किस क्षेत्र में प्रचलित है ?
-तानसेन का मकबरा कहां स्थित है?
-जोगेश्वरी देवी का मेला मध्य प्रदेश में कहां आयोजित किया जाता है?
- मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना कब की गई थी ?
- मध्य प्रदेश की संगीत राजधानी किसे कहा जाता है ?
-कर्क रेखा मध्य प्रदेश के कितने जिलों से होकर गुजरती है ?
-डचेस फॉल जल प्रपात कहां स्थित है?
- माखनलाल चतुर्वेदी जी का जन्म मध्य प्रदेश के किस जिले में हुआ था ?
-कछवाहा वंश कालीन ककनमठ मंदिर कहां स्थित है ?
- ओरछा की स्थापना किसने और कब की थी ?
-मध्य प्रदेश की न्यायिक राजधानी किसे कहते हैं?
-मध्यप्रदेश में सांची स्तूप का निर्माण किसके द्वारा कराया गया था ?
- मध्य प्रदेश का जलियां वाला बाग हत्याकांड किसे कहा जाता है ?
-मध्य प्रदेश में प्रथम बाघ संरक्षण परियोजना कब और कहां से शुरू हुई थी?
-भारत का पहला झंडा सत्याग्रह कहां हुआ था?

उत्तर-इंदौर में, चंबल नदी, मालवा अंचल, क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा जिला छिंदवाड़ा है। इसका क्षेत्रफल 11815 वर्ग किलोमीटर है।, नौरादेही अभ्यारण, जबलपुर को त्रिपुरी के नाम से भी जाना जाता था।,निरगुड़िया गायन शैली मध्य प्रदेश के निमाड़ और मालवा क्षेत्र में प्रचलित है।, ग्वालियर, चंदेरी, 1994, मैहर,14 जिले, पचमढ़ी, होशंगाबाद, सिहोनिया क्षेत्र में (मुरैना जिला), राजा रुद्रप्रताप ने 1531 में, जबलपुर, सम्राट अशोक,चरण पादुका नरसंहार (1931 में),1974 में कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान से, भारत का पहला झंडा सत्याग्रह 1923 में जबलपुर से आरंभ हुआ था। ●

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का किया आयोजन

प्रखर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा का प्रशिक्षण वर्ग वाराणसी के दांदूपुर स्थिति रिंग रोड पर फंटेशिया वाटर पार्क के प्रांगण में आयोजित किया गया। बता दे कि भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा का प्रशिक्षण वर्ग किसान मोर्चा के काशी प्रान्त के क्षेत्रीय अध्यक्ष काशीनाथ तिवारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों के साथ-साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विचारों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही किसानों के हितों की बात की गई। इसके अलावा जैविक खेती व पारंपरिक खेती इत्यादि पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष काशीनाथ तिवारी का जन्मदिन भी मनाया गया। कार्यक्रम के समापन पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामप्रकाश सिंह "वीरू" ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा सहित बीजेपी किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राम प्रकाश सिंह "बीरू" जिला मंत्री प्रवीण सिंह "गौतम", जिला उपाध्यक्ष प्रवीण रघुवंशी के साथ उपस्थित पदाधिकारियों में संजय सिंह, संदीप जी, डॉक्टर जे पी दुबे, प्रेम शंकर पाठक, दीपक सिंह, अखिलेश कुमार सिंह,) व अजय कुमार सिंह "हीरू" सहित दर्जनों की संख्या में किसान मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डेंगू को लेकर सीएमओ गम्भीर राहत और बचाव के दिये टिप्स

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद वासियों से बुखार से भयभीत होने की बजाय घरों एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने को अति आवश्यक बताया एवं साथ ही साथ बताया कि मात्र प्लेटलेट का कम होना डेंगू का लक्षण नहीं है। अन्य बिमारियों में भी प्लेटलेट्स की संख्या में कमी होती है। डेंगू स्वयं ठीक होने वाली बीमारी है। डेंगू के इलाज हेतु कोई विशेष दवा नहीं है। बुखार कम करने हेतु मात्र पेरासिटामोल दवा की जरूरत होती है। आईब्रुफेन एवं डिस्प्रिन इत्यादि का सेवन बिलकुल नहीं किया जाए। बीमारियों से बचाव हेतु अपने घरों के आसपास, घरों की छतों पर तथा घरों के अंदर कहीं भी पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। घरों के आसपास के जलजमाव का निस्तारण पंचायती राज विभाग एवं नगर विकास विभागों के सहयोग से करवाया जाना आवश्यक है। घरों के अंदर तथा छतों पर अनावश्यक वस्तुओं, जैसे पुराने टायर, प्लास्टिक अथवा मिट्टी के पुराने बर्तन, बोतल, ग्लास, नारियल के खोल आदि को तत्काल हटा देना चाहिए। कूलर के पानी को निकाल कर अच्छे से साफ करके सुखा कर रख दें तथा उसका प्रयोग अब बंद कर दें। शरीर को पूरी तरीके से ढक कर रखें तथा सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। मच्छर जनित बीमारियों के जांच एवं उपचार की सुविधा सभी सरकारी चिकित्सालयों में उपलब्ध है। बुखार होने पर तत्काल अपने निकटवर्ती स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा अथवा सरकारी चिकित्सालय से संपर्क करें। कभी भी अनधिकृत चिकित्सक से अथवा स्वयं उपचार नहीं करें। उन्होने बताया कि दिनांक 9 नवम्बर2022 को पुष्टि हेतु आईएमएस बीएचयू भेजे जा रहे संदिग्ध डेंगू के 09 सैम्पल भेजे गये । अब तक कुल 130 सैंपल भेजे गये, जिसमे 121 परिणाम प्राप्त हुए। जिसमें डेंगू पॉजिटिव जनपद गाजीपुर के 83 व अन्य जनपद के 04 मरीज प्राप्त हुए। नेगेटिव कुल 34 मिले। अन्य जनपद से सूचित कुल 20 मरीज की संख्या प्राप्त हुई। उन्होने बताया कि अबतक जनपद में डेगू के पॉजीटिव कुल 103 मरीज मिले है। 09 परिणाम प्रतिक्षित है।

संक्षिप्त खबरें

अंतर महाविद्यालयीय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता 12 को

प्रखर डोभी जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयीय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता 12 नवंबर (शनिवार) को क्षेत्र के आचार्य बलदेव पीजी कालेज कोपा, पतरहीं में आयोजित है। मुख्य अतिथि प्रो. सुरेश कुमार पाठक अध्यक्ष खेलकूद परिषद वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर होंगे। यह जानकारी कालेज के प्रबंधक और उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल यादव (मैनेजमेंट गुरु) ने दी। उन्होंने खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुँच कर प्रतियोगिता में उपस्थित होकर सफल बनाने व खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

विधायक राजहंस सिंह के आवास पर श्रीमद भागवत कथा

प्रखर जौनपुर। मडियाहू तहसील क्षेत्र के असावा (रामपुर) में महाराष्ट्र विधान परिषद सदस्य राजहंस सिंह के निवास पर आगामी 16 नवंबर, बुधवार से श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ होगा। भाजपा विधायक सिंह ने बताया की जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानंद तीर्थ जी महाराज के श्री मुख से कथा पाठ होगा। 22 नवंबर तक चलने वाले कथा पाठ में हर रोज दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक पाठ किया जाएगा। श्री सिंह ने सभी श्रद्धालुओं से श्रीमद भागवत कथा पाठ में हिस्सा लेने की अपील की है। सनातन धर्म के 18 पवित्र पुराण हैं, जिनमें एक भागवत पुराण भी है। इसे श्रीमद्भागवत या केवल भागवतम् भी कहते हैं। यह जगत के पालक श्रीविष्णुजी के धरती पर लिए गए 24 अवतारों के साथ उस दौरान उनके जीवन की कथा का भावपूर्ण वर्णन है।

यूबीआई के 104 वें स्थापना दिवस पर काटा केक

प्रखर चंदवक जौनपुर। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 104 वां स्थापना दिवस चंदवक शाखा प्रबंधक राजीव जी ने बैंक परिसर में ही क्षेत्र के वरिष्ट व्यवसाइयों के साथ केक काट कर बड़े ही धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर भाजपा नेता व व्यवसाई आशुतोष चौबे,कंस्ट्रेक्टर प्रदीप मिश्र, अध्यापक विनोद सिंह, प्रधानाचार्य नृपेंद्र सिंह, शशिभूषण, रामनिवास, शशि मिश्र, सतीश जी सहित अन्य लोग रहे।

पुलिस को झांसा देकर फरार होने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रखर जौनपुर। जिला चिकित्सालय से पुलिस को झांसा देकर फरार हुआ बलात्कार व अन्य धाराओं के आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार दोपहर लगभग 12:00 बजे बदलापुर थाने का कांस्टेबल देवेश कुमार यादव होमगार्ड दशरथ राम को साथ में लेकर बलात्कार मारपीट व अन्य धाराओं के आरोपी सुरेश उर्फ शुभम खरवार को डॉक्टरी कराने के लिए जिला अस्पताल लाया गया था। जहां से सुरेश खरवार पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इस संबंध में बदलापुर थाने के तैनात कांस्टेबल दिवेश कुमार यादव द्वारा कोतवाली में तहरीर देकर फरार आरोपी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कराया। एफ आई आर दर्ज होते ही कोतवाली पुलिस हरकत में आ गई क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर अशोक कुमार यादव कुछ ऐसे ही या विवेचना सौंपी गई आरोपी की तलाश करने के लिए पुलिस टीम लेकर जुट गए। क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर को देर रात सूचना मिली की पुलिस को झांसा देकर फरार होने वाला आरोपी सुरेश उर्फ शुभम भंडारी स्टेशन पर मौजूद है जो कहीं बाहर भागने के फिराक में है। मुखबिर की बात का विश्वास करके पुलिस टीम ने स्टेशन के इर्द-गिर्द तलाश करना शुरू कर दिया। कुछ ही देर बाद पुलिस को सफलता मिल गई फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस को झांसा देकर फरार होने वाले आरोपी के खिलाफ सिंगरामऊ थाने में मुकदमा दर्ज था जिसे बदलापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके खिलाफ धारा 323 504 506 354 376 समेत कई धाराओं में मामला सिंगरामऊ थाने में दर्ज बताया गया है।

श्री डीह बाबा के श्रृगार और आरती के साथ हिंदू राष्ट्र अभियान : डॉ गीता रानी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र द्विवेदी (अखिल भारतहिंदू महासभा) के निदेर्शानुसार डॉ गीता रानी (राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अखिल भारत हिंदू महासभा) अपनी टीम के साथ अति प्राचीन मंदिर डीह बाबा मध्यमेश्वर पहुंचकर भव्य आरती में शामिल हुई। विशिष्ट अतिथि पवन पाठक (जिला मंत्री विश्व हिंदू परिषद) ने हिंदू राष्ट्र का समर्थन किया। कार्यक्रम में मंजू देवी, तपोश्री मित्रा सौम्यक सोनी मदन मोहन सिंह विनोद यादव (पूर्व संगठन मंत्री) आलोक सिंह (मंदिर प्रबंधक व व्यवस्थापक) रोहित प्रजापति, विजय प्रजापति, हिमांशु यादव, यस यादव ,राम कुमार विश्वकर्मा, महेंद्र कुमार विश्वकर्मा, राहुल केसरी, गोपाल विश्वकर्मा नीरज पांडे संदीप प्रजापति विभूति नारायण देवांशी जैन प्रहलाद विश्वकर्मा एवं सैकड़ों भक्त उपस्थित होकर भव्य श्रृंगार आरती किया और हिंदू राष्ट्र के लिए संकल्प लिया।

हथियाराम के महामंडलेश्वर स्वामी भवानी नंदन यति जी ने फद्दूपुर में किया हरिहरात्मक पूजन

प्रखर तरवां आजमगढ़। समूचे विश्व के अध्यात्म जगत में विख्यात दार्शनिक स्थल "हथियाराम" स्थित सिद्धि दात्री बृद्धाम्विका (बुढ़िया माता) धाम के महामंडलेश्वर पवाहारी भवानी नंदन यति जी महाराज दिन बुधवार को गुरु दीक्षा कार्यक्रम हेतु नव नवंबर को उपस्थित हुए, एंव दिन गुरुवार दस नवंबर को रात्रि विश्राम के साथ फद्दूपुर तरवां आजमगढ़ में, सिद्धपीठ हथियाराम के पीठाधिपति महामंडलेश्वर स्वामी भवानी नन्दन यति जी महाराज के संरक्षकत्व में चलने वाले दीक्षा एवं प्रवचन में पुण्य लाभ की कामना के साथ शिष्यों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। लगभग सात वर्ष बाद फद्दूपुर तरवां आजमगढ़ में हथियाराम के पीठाधिपति का आगमन हुआ जिसमें शिष्यों-श्रद्धालुओं ने पहुंचकर श्रद्धा भाव से पीठाधिपति महामंडलेश्वर भवानीनन्दन यति के श्री चरणों में श्रद्धानवत हुए।

हरिहरात्मक पूजन के उपरांत प्रवचन करते हुए स्वामी भवानी नन्दन यति ने प्रभु श्रीराम की आराधना को सर्वदा फलदायक बताते हुए जनता से पूजा-पाठ और संत समागम से जुड़ने का आह्वान किया। कहा कि कर्म ही पूजा नहीं, पूजा ही कर्म है का मूलमंत्र जीवन में अपनाएं। सम्पादित हो रहे इस धार्मिक अनुष्ठान में आने वाले भक्तों के लिए भंडारा की भी व्यवस्था की गई, जिसमें महाप्रसाद ग्रहण कर श्रद्धालु जयकारा लगाते हुए अपने घरों को लौट गये। समूचे क्षेत्र का माहौल भगवामय बना हुआ है। इस माहौल के बीच लोगों का ऐसा मानना है कि श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गुरुजी महाराज ने समस्त ग्रामवासीयों को साधुवाद दिया। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए समस्त ग्रामवासियों ने अपना भरपूर योगदान दिया। तथा इस कार्यक्रम का संचालन श्री कविन्द्र दीप सिंह जी ने किया।

जमानती कार्य पुलिस लाइन से करने का वकीलों ने दूसरे दिन भी ने किया विरोध, तहसील में की नारेबाजी व प्रदर्शन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील के वकीलों ने शुक्रवार को दूसरे दिन भी पुलिस के द्वारा जमानत पुलिस लाइन में लिए जाने नाराज वकीलों ने जुलूस निकालकर नारेबाजी की और अनिश्चित कालीन हड़ताल की चेतावनी दी। तहसील बार एसोसिएशन पिंडरा के वकीलो कि सुबह 11 बजे बार अध्यक्ष मनोज शुक्ला की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें तहसील क्षेत्र के थानों द्वारा 151 तथा 107, 116 , 145 व 33 मुकदमे की सुनवाई व जमानत की कार्रवाई कैंटोमेंट जोन से कराने के विरोध में प्रस्ताव पारित हुआ और वकीलों ने निर्णय लिया कि अगर प्रशासन द्वारा अधिवक्ता हितों और आम लोगों के हितों को लेकर कोई निर्णय नही लिया तो अधिवक्ता अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने को विवश होंगे। वकीलों ने पिंडरा तहसील स्थित

सीओ कार्यालय में ही पुलिस न्यायालय खोलने की मांग करते व नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुचे और जमकर प्रदर्शन कर न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। इस दौरान बार अध्यक्ष मनोज शुक्ला, महामंत्री जयचंद, पूर्व अध्यक्ष शिवपूजन सिंह, विजय शर्मा,प्रितराज माथुर, कमला मिश्रा, अशोक पण्डेय, महामंत्री जयचन्द्, श्यामशंकर सिंह, अशोक कुमार, रामभरत यादव ,राजेश पटेल व सरोज राय समेत अनेक वकील रहे।

इनरव्हील क्लब आफ वाराणसी नार्थ डिस्ट्रिक 312 का धूमधाम से मनाया दिपावली समारोह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इनरव्हील क्लब आफ वाराणसी नार्थ का डिस्ट्रिक - 312 का दिपावली समारोह देव दीपावली संध्या आशापुर स्थित दीघार्यु हास्पीटल में धुमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ गणेश वन्दना से हुआ अतिथियो का स्वागत सुनिति शुक्ला ने किया एवम देव दीपावली की महत्ता पर रानीका जायसवाल ने प्रकाश डाला नितू मुरारका ने सदस्यों को हाऊजी एवं गेम खेलाया। रचना ,मीनू एंव सभी सदस्याओं ने नृत्य एंव गीत प्रस्तुत कर माहौल की खुशनुमा बना दिया` कार्यक्रम का कुशल संचालन क्लब अध्यक्ष अरुना श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन एडिटर प्रीती जायसवाल ने दिया कार्यक्रम का संयोजन भूतपूर्व अध्यक्षा रानीका जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में ऊषा जगनानी ,प्रीति , ज्योति, माया, नीता पुनिता - सुजाता , डोंगरे ,रेनु ,शीतल जयन्ति करन, मोहन , संगीता ,रीपुदमन ,मंजु ,संगीता कपुर सहित इत्यादि महिलाएं उपस्थित रही।

चोलापुर क्षेत्र के पलहीपट्टी गांव में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के पलहीपट्टी ग्राम में जौनपुर जनपद के मूल निवासी युवक ने पड़ोसी के रिश्तेदार महिला के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। जानकारी के अनुसार जौनपुर जनपद के जलालपुर थाना क्षेत्र के पराहुगंज (चक्के) निवासी विवेक कुमार (24 वर्ष) पुत्र रणजीत बुधवार को पलहीपट्टी ग्राम निवासिनी पूनम देवी के यहां आया हुआ था। पूनम देवी के पति अरविंद मुंबई में रहकर निजी कार्य करते हैं। बुधवार की रात्रि भोजन आदि के पश्चात विवेक बरामदे में सोने चला गया। सुबह बरामदे में छप्पर में गमछे के सहारे लटकते हुए उसका शव देख पूनम देवी ने ग्राम प्रधान हुकुम सिंह एवं ग्रामीणों को जानकारी दी। ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस शव का पंचनामा कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। विवेक दो भाइयों में बड़ा था। घटना से विवेक की मां सरिता देवी समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के बताने के अनुसार पूनम देवी की बहन का विवाह उक्त युवक के गांव में हुआ है।

राजीव मोहन की जय यादव, ऋतु सिंह स्टारर फिल्म रखवाला का पोस्ट प्रोडक्शन कंपलीट

प्रखर दानगंज वाराणसी। श्री असंग प्रोडक्शंस बैनर तले नेशनल अवार्ड विनर निमार्ता निर्देशक राजीव मोहन द्वारा बनाई गई भोजपुरी फिल्म रखवाला का पोस्ट प्रोडक्शन मुंबई में कंपलीट कर लिया गया है। इस फिल्म को सेंसर बोर्ड में सेंसर के लिए अप्लाई कर दिया गया है। गौरतलब है कि आधुनिकता की भागमभाग में संयुक्त परिवार का बिखरना, अलग होना कहीं न कहीं आज के दौर का इंसान एकल होता जा रहा है। जहाँ एक समय ऐसा था कि दादा-दादी से लेकर पोता-पोती तक की तीन से चार पीढ़ी एक ही छत के नीचे हंसी-खुशी के साथ निवास करती थी और एक आज ऐसा समय आ गया है कि पति-पत्नी और बच्चे तक ही परिवार सीमित होता जा रहा है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर समाज को जागरूक करने के लिए भोजपुरी फिल्म 'रखवाला' का निर्माण किया गया है नेशनल अवार्ड विनर निमार्ता निर्देशक राजीव मोहन एक ऐसी फिल्म रखवाला लेकर आ रहे हैं, जो भोजपुरी सिनेमा में परिवर्तन की एक कड़ी साबित होगी। यह फिल्म समाज को जगरूक करने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। इस फिल्म में वह सब दिखाया जाएगा, जोकि एक सम्पूर्ण पारिवारिक फिल्म में होना चाहिए। इस फिल्म

में केन्द्रीय भूमिका में फिल्म के हीरो जय यादव हैं और हीरोइन ऋतु सिंह हैं। वे इस फिल्म में पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। साथ ही प्रमुख भूमिका में राजीव सिंह और दिव्या यादव भी फुल टू धमाल मचाने वाले हैं। इस फिल्म की कथा पटकथा राकेश श्रीवास्तव ने लिखा है। चुटीले और मधुर संवाद ध्रुव सिंह ने लिखा है। फिल्म सभी गीतों को कर्णप्रिय संगीत से सजाया है संगीतकार मधुकर आनन्द ने। इस फिल्म में कृष्ण भगवान का एक बहुत ही प्यारा भजन भजन सम्राट अनूप जलोटा ने गाया है, जिसका संगीत संजय राज गौरीनन्दन ने दिया है, जिन्होंने अमिताभ बच्चन के लिए गणेश स्तुति का म्यूजिक दिया था। फिल्म के डीओपी संजीव डेका हैं। नृत्य कानू मुखर्जी, संकलन दिनेश मेंगडे, कला डबलू बिहारी का है। फिल्म के प्रोडक्शन हेड शेखर यादव हैं, प्रोडक्शन मैनेजर सुभाष प्रजापति हैं। मुख्य कलाकार जय यादव, ऋतु सिंह, राजीव सिंह, दिव्या यादव, जय प्रकाश सिंह, नीलम पांडेय, अशोक श्रीवास्तव, भानु पांडेय, धर्मेन्द्र यादव, प्रिया वर्मा, रिंकू यादव, दीपक शास्त्री, रामनाथ, सौरव अस्थाना हैं।विदित हो कि भोजपुरी फिल्म रखवाला के निमार्ता और निर्देशक राजीव मोहन के बारे में बात की जाय तो वे विगत 38 वर्षों सोशल इशू पर बहुत सारी डॉक्यूमेंट्री फिल्में बनाई है।

भाकियू (अ) के जिलाध्यक्ष ने उप जिलाधिकारी, कप्तानगंज को सौपा ज्ञापन

प्रखर कुशीनगर। भारतीय किसान यूनियन की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह अपने कार्यकताओं के साथ आज दिनाँक 11 नबम्बर 2022 को रत्निका श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी, कप्तानगंज को सूबे के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी से सम्बोधन अपने तीन सूत्रीय माँगों का ज्ञापन सौपते हुए अवगत कराया है कि, जनपद कुशीनगर की कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने का भुगतान पेराई सत्र 2021-22 का लगभग 42 करोड़ रुपये बकाया है जिसके वजह से इस क्षेत्र के किसानों को उनके निजी जीवनयापन करना लोहे के चना चबाने जैसा हो गया है ! कुछ किसानों का परिवार गन्ना भुगतान नही होने के वजह से भुखमरी के कगार पर खड़ा हो गया है ! कप्तानगंज चीनी मिल के भुगतान को लेकर हमारे नेतृत्व में किसानों ने लगातार 68 दिन अनवरत धरना प्रदर्शन भी किया मगर अभी तक किसानों के गन्ने का सम्पूर्ण भुगतान नही हुआ जो इस क्षेत्र के

किसानों के साथ अन्याय के साथ साथ धोखा भी है। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि, चीनी मिल प्रबंधन द्वारा 14 दिन में भुगतान किसानों के खाते में पहुँच जायेगा। यदि कोई मिल 14 दिन में गन्ना भुगतान करने में असफल होता है तो किसानों के गन्ने का भुगतान ब्याज के साथ करना पड़ेगा। कप्तानगंज चीनी मिल प्रबन्धन द्वारा मिल में कार्यरत कर्मचारियों (स्थाई और सिजनल) दोनों को बिना नोटिस जारी किए नौकरी से निकाल दिया जिसके वजह से कर्मचारियों के परिवार का जिविका चलाने तथा उनके रोजमर्रा की जरूरत को पुरा करने में काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। पेराई सत्र 2022-23 शुरू होने जा रहा है मगर अभी तक इस पेराई सत्र का राज्य सरकार किसानों के गन्ने का समर्थन मूल्य तय नही किया। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से माँग करते है कि, कप्तागंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने का भुगतान जो लगभग 42 करोड़ बकाया है उसे यथाशीघ्र किसानों के खाते में भेजवाने का कार्य करें और साथ ही साथ कप्तानगंज चीनी मिल को पेराई सत्र 2022-23 में चलवाने का व्यवस्था सुनिश्चित किया करावे जो किसान हित और मिल के कर्मचारियों के हित में संजीवनी का कार्य करेगा। पेराई सत्र 2022-23 का राज्य सरकार किसानों के गन्ने का समर्थन मूल्य तय करें। यदि किसानों के माँगों के ऊपर सरकार अबिलम्ब कार्यवाही नही करती है तो मजबूर होकर किसान सड़क पर आने के लिये विवश होगें जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर जिला सचिव चेतई प्रसाद, तहसील अध्यक्ष रामप्यारे शर्मा, जवाहर, जनार्दन सिंह, रामदवन, मनोहर, रामअधार के साथ साथ अन्य कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

बुद्धिहीन बच्चों-बच्चियो को बुद्धिमान बनाएगा योग- योगाचार्य धर्मेन्द्र प्रजापति

प्रखर कुशीनगर। प्रातः काल जिला कुशीनगर के तमकुही विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय सिंदुरिया बुजुर्ग व प्राथमिक विद्यालय मोगलपुरा में योगाचार्य धर्मेन्द्र प्रजापति जी द्वारा विद्यालय के सभी बच्चों को विभिन्न योगिक आसन, प्राणायाम व असंतुलित मन के लिए ध्यान भी करना सिखाया गया। जिसमें सभी बच्चों ने पूरी एकग्रता के साथ अभ्यास किये और यह प्रण लिए कि योगासन से शारिरिक शुद्धिकरण के साथ साथ योग द्वारा मानसिक शुद्धिकरण भी करेंगे, जिससे बुद्धिहीन को बुद्धिमान बनाया जा सके। योगाचार्य धर्मेन्द्र जी ने कहा कि आने वाले कल में आपसभी नवयुवक भारत की तकदीर होंगे आज से ही और अभी से अपने जीवन में योग को लाए और दूसरों को भी योग करवाये। जिसमे प्राथमिक विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्रीमती पूजा जी ने कही कि पिछले क्लास में योग कराने से बच्चों में योग द्वारा परिवर्तन दिख रहा और सरकार को भी अब विद्यालयों में योग प्रशिक्षक का चयन कराना चाहिए जिससे बच्चे सर्वांगीण विकास कर सके।क्योंकि योग से स्वस्थ शरीर बनता है, तथा स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता

है। साथ ही मोगलपुरा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रदीप जी ने बताया कि हफ्ते में एक दिन भी योग कराये जाए तो बच्चों में एक नई उमंग दिखेगा । योगाभ्यास दौरान मोगलपुरा ग्रामसभा के मुखिया अब्बास जी व अन्य सभी अध्यापक शैलेश सिंह, सत्येंद्र सिंह, संजय जी, सत्यपाल जी,निर्मला यादव शिक्षामित्र ने भी बच्चों के साथ उपस्थित होकर योग का अभ्यास किये।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं